वर्ष 24, अंक 139, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 28 नवंबर 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

दिल्ली में हट गया ग्रैप-3, लेकिन अब भी नहीं कर सकते ये काम!

एनसीआर

दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता यानी अदक में मामूली सुधार देखने को मिला है. दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) 400 के नीचे आ गया है, जिसके बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (उअदट) ने ग्रैप-3 के तहत लागू किए गए प्रतिबंधों को वापस ले लिया है. ग्रैप-3 राजधानी में तब लागू किया गया था, जब प्रदूषण का स्तर 400 के आंकड़े को पार कर 'बेहद खराब' स्थिति में पहुंच गया था.

बता दें, ग्रैप-3 के तहत एयर क्वालिटी को कंट्रोल करने के लिए कई तरह के सख्त नियम लागू किए जाते हैं, जिसमें निर्माण कार्यों पर रोक, वर्क फ्रॉम होम, स्कूल-कॉलेजों को हाइब्रिड मोड पर संचालित करने जैसी चीजें शामिल होती हैं. अब जब ग्रैप-3 हटा लिया गया है तो इन नियमों में भी ढील दी गई है. हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि दिल्ली में अब सभी तरह की गतिविधि करने की छूट मिल गई है. उअदट ने साफ कहा है कि ग्रैप-1 और ग्रैप-2 के प्रतिबंध अब भी दिल्ली में लागू हैं.

कब लागू किया जाता है ग्रैप-3?

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता को नियंत्रित करने के लिए ग्रैप सिस्टम लागू किया गया है. इसके तहत ग्रैप-1 से ग्रैप-3 तक पाबंदियां चरणबद्ध तरीके से लागू की जाती हैं. यह प्रदूषण के स्तर पर निर्भर करता है कि कब कौन सा ग्रैप सिस्टम लागू किया जाएगा. जहां तक ग्रैप-3 की बात है तो जब दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर 400 के पार हो जाता है तो ग्रैप-3 के प्रतिबंधों को लागू कर दिया जाता है. अदक 450 के पार जाने पर ग्रैप-4 लागू किया जाता है.

ग्रैप-3 में क्या-क्या होता है?

ग्रैप-3 के तहत इर-3 पेट्रोल औ इर-4 डीजल लाइट मोटर व्हीकल्स को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होती है.

डीजल से चलने वाली इंटर स्टेट बसों, ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट बसों और टेंपो ट्रैवलर्स पर भी रोक होती है.

इसके तहत निर्माण कार्यों और विध्वंस जैसे कार्यों पर भी रोक लगा दी जाती है.

धूल उड़ाने वाली सामग्रियों सीमेंट, रेत और फ्लाई ऐश के ट्रांसपोर्टेशन को सीमित कर दिया जाता है.

सरकारी व निजी दफ्तरों में 50 फीसदी वर्क फ्रॉम होम लागू किया जाता है.

स्कूल व कॉलेजों में हाइब्रिड मोड में कक्षाएं संचालित की जाती हैं.

दिल्ली में अब भी लागू रहेंगे ये प्रतिबंध

दिल्ली में भले ही ग्रैप-3 को हटा लिया गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि लोगों को हर तरह की गतिविधि करने की छूट मिल जाएगी. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता अभी भी खराब है, ऐसे में ग्रैप-1 व ग्रैप-2 के तहत प्रतिबंध अब भी लागू होंगे. चलिए बताते हैं इस दौरान किन चीजों पर रोक रहेगी।

सीएम ने की नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की समीक्षा

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज (27 नवंबर को) नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चल रहे कार्य की समीक्षा करने पहुंचे. उन्होंने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य कर रही कंपनी के अधिकारियों से बातचीत की. साथ ही समीक्षा बैठक कर 15 दिसंबर तक सभी ठडउ और लाइसेंस के साथ एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण करने की बात कही.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जेवर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्होंने चल रहे कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि तय समय सीमा के तहत कार्य को पूर्ण किया जाए. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट के निर्माण कार्य को बड़ी बारीकी से देखा.

जनप्रतिनिधियों के साथ अधिकारी रहे मौजूद

इस दौरान उनके साथ जनप्रतिनिधियों के अलावा एयरपोर्ट निर्माण कर रही कंपनी के सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे. अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि किस तरह से एयरपोर्ट का निर्माण किया किया है और यात्रियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है.

तय सीमा सभी कार्य पूरा करने के निर्देश

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट निर्माण का कार्य कर रही कंपनी के अधिकारियों के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों और यमुना प्राधिकरण के सीनियर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि तय समय सीमा के अंदर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य और एनओसी लाइसेंस की प्रक्रिया पूर्ण की जाए, ताकि जल्द से जल्द एयरपोर्ट के उद्घाटन की तारीख का ऐलान किया जा सके.

निर्माण पूरा होने के बाद उड़ान तारीखों का होगा ऐलान

एयरपोर्ट निर्माण का कार्य कर रही कंपनी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि 15 दिसंबर तक एनओसी और एयरोड्रम लाइसेंस के साथ-साथ निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा और उसके बाद कभी भी पहली उड़ान की तारीख का ऐलान किया जा सकता है. वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट की समीक्षा के बाद नेताओं और अधिकारियों के साथ फोटो भी खिचवाई।

म्हात्रे परिवार को 6 टिकट: शिंदे सेना पर वंशवाद का आरोप

बदलापुर

शिवसेना (शिंदे गुट) ने बदलापुर नगर परिषद चुनाव में प्रभावशाली म्हात्रे परिवार के छह सदस्यों को टिकट देकर एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। स्थानीय राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्ति, नगर प्रमुख वामन म्हात्रे ने अपनी पत्नी, बेटे, भाई, भाभी और भतीजे के साथ खुद को मैदान में उतारा है। परिषद की 49 सीटों में से छह सीटें एक ही परिवार को आवंटित करने के फैसले की तीखी आलोचना हुई है।

, खासकर भाजपा की ओर से, जिसके साथ वह राज्य सरकार में सत्ता साझा करती है। भाजपा ने शिंदे सेना पर योग्य उम्मीदवारों की कमी और खुलेआम भाई-भतीजावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। इस मुद्दे ने वंशवाद बनाम पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मान पर बहस छेड़ दी है।

चुनावों में म्हात्रे परिवार की मौजूदगी कोई नई बात नहीं है। 2015 के नगर परिषद चुनावों में, परिवार के चार सदस्य पार्षद चुने गए थे। इस बार, उनके छह उम्मीदवारों तक पहुँचना स्थानीय राजनीतिक परिदृश्य में सबसे चर्चित घटनाक्रमों में से एक बन गया है। विवाद को और बढ़ाते हुए, शिंदे सेना ने पूर्व पार्षद प्रवीण राउत के परिवार को भी तीन टिकट दिए हैं, जिनमें वे, उनकी पत्नी शीतल राउत और उनकी साली विजया राउत शामिल हैं।

'चाहे कुछ भी हो जाए, बंगला नहीं छोड़ेंगे'

राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर RJD का कड़ा रुख

बिहार

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कहा कि बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी लगभग दो दशकों से जिस सरकारी बंगले में रह रही हैं, उसे खाली नहीं करेंगी। पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने यह बयान राज्य भवन निर्माण विभाग द्वारा राबड़ी देवी को विधान परिषद में विपक्ष की नेता के लिए निर्धारित आवास 39, हार्डिंग रोड में स्थानांतरित करने के निर्देश के एक दिन बाद दिया। पत्रकारों से बात करते हुए, मंडल ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के सामने स्थित 10, सर्कुलर रोड स्थित बंगला, "चाहे कुछ भी हो जाए, खाली नहीं किया जाएगा।"

मंडल ने आरोप लगाया कि यह निर्णय राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है, और कहा कि इससे सत्तारूढ़ एनडीए की हमारे नेता लालू प्रसाद के प्रति दुर्भावना की बू आती है। मंडल ने सवाल किया कि नीतीश कुमार ने इस पद के लिए बंगला निर्धारित करने में दो दशक का इंतजार क्यों किया और तर्क दिया कि सरकार को 10, सर्कुलर रोड को अपने पास रखना चाहिए था, क्योंकि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी दोनों मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

राबड़ी देवी 1997 से 2005 तक बिहार की मुख्यमंत्री रहीं और इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला बनीं। राबड़ी देवी 1997 में अपने पति और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के इस्तीफे के बाद मुख्यमंत्री बनीं, जब चारा घोटाला मामले में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ा

मुख्यमंत्री पद परिवर्तन की अफवाहों के बीच डीके शिवकुमार का बयान

कर्नाटक

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने हाल ही में अपने कैबिनेट सहयोगी सतीश जारकिहोली के साथ देर रात हुई बैठक के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि "शब्द शक्ति विश्व शक्ति है"। मौजूद जानकारी के अनुसार, शिवकुमार ने अपने पोस्ट में लिखा कि दुनिया में सबसे बड़ी ताकत अपने शब्द पर कायम रहना है। चाहे कोई जज हो, राष्ट्रपति हो या कोई और, सभी को अपने वादे निभाने चाहिए।

गौरतलब है कि ये बयान कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद परिवर्तन की अफवाहों के बीच आए हैं। बताया जा रहा है कि शिवकुमार ने जारकिहोली से 2023 में दिल्ली में बने एक ह्लअनलिखित समझौतेह्व को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तक पहुँचाने में समर्थन मांगा, जिसके तहत सिद्धारमैया अपने कार्यकाल के आधे रास्ते में पद छोड़ सकते हैं। हालांकि, शिवकुमार ने इसे केवल सामान्य बैठक बताया और कहा कि वह और जारकिहोली पार्टी के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

मौजूद जानकारी के अनुसार, कांग्रेस हाई कमान ने इस विषय पर चर्चा के लिए बैठक तय की है।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को चुनौती

तमिलनाडु

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई 2 दिसंबर (मंगलवार) तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को चुनौती देने वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के संस्थापक वाइको द्वारा दायर याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सहित कई अन्य दलों ने भी राज्य में एसआईआर अभ्यास के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

डीएमके की याचिका पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष प्रस्तुत की गई।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगा। संगठन सचिव आरएस भारती ने मतदाता सूची की एसआईआर की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए और चुनाव आयोग की 27 अक्टूबर की अधिसूचना को रद्द करने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसने 24 जून को जारी पूर्व दिशानिदेर्शों के आधार पर एसआईआर को तमिलनाडु तक बढ़ा दिया था।

सभी को साथ लाएंगे: कर्नाटक में सत्ता संघर्ष के बीच बोले खड़गे

कर्नाटक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने चल रहे सत्ता संघर्ष को सुलझाने के लिए वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक बुलाई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सामूहिक परामर्श के बिना कोई भी निर्णय नहीं लिया जाएगा। खड़गे ने कहा कि अंतिम निर्णय लेने से पहले राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार चर्चा में शामिल होंगे। खड़गे ने कहा कि मैं सभी को चर्चा के लिए बुला रहा हूँ और राहुल गांधी भी उस बैठक में मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी वहाँ मौजूद रहेंगे। सभी से चर्चा के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा।

केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका स्पष्ट करते हुए खड़गे ने कहा कि हाईकमान' का मतलब टीम है - हाईकमान की टीम एक साथ बैठकर अंतिम निर्णय लेगी।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को अपने और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच सत्ता संघर्ष की नई अटकलों के बीच सोशल मीडिया पर एक रहस्यमय संदेश पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने दोहराया कि अपनी बात पर कायम रहना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष को उजागर किया। उन्होंने स्थिति को एक खुला संघर्ष बताया, जिसमें मंत्री मुख्यमंत्री पद के लिए होड़ कर रहे हैं और कर्नाटक सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रशासन ध्वस्त हो गया है और मंत्री अपने कर्तव्यों के बजाय आगामी नेतृत्व परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह कोई आंतरिक कलह नहीं है, महोदय। सब कुछ पूरी तरह से खुलेआम हो गया है... हर कोई खुलकर लड़ रहा है... किसी भी मंत्री को प्रशासन में कोई दिलचस्पी नहीं है।

वे सब इस बात में व्यस्त हैं कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा और आगे क्या होगा... राहुल गांधी और खड़गे खुद कह रहे हैं कि आलाकमान फैसला करेगा, जबकि वे इसका हिस्सा हैं।

मक्के की रोटी, सरसों का साग संग मंत्री शिवराज चौहान ने सुनी किसानों की बात, पंजाब के पराली प्रबंधन की तारीफ

मोगा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मोगा ज़िले के रणसीह कलां गाँव का दौरा किया, जहाँ उन्होंने जनभागीदारी और कृषि नवाचार, खासकर पराली जलाने में कमी लाने में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए पंजाब के कृषक समुदाय की प्रशंसा की। चौहान ने अपने एक दिवसीय दौरे की शुरूआत एक स्थानीय गुरुद्वारे में मत्था टेकने से की और फिर कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ कृषि पद्धतियों की समीक्षा करने के लिए खेतों की ओर रवाना हुए। मंत्री ने किसानों से बातचीत की और सीधी बुवाई, उर्वरकों के कम इस्तेमाल और पराली प्रबंधन के उनके तरीकों को समझा। पंजाब को अद्भुत बताते हुए चौहान ने कहा कि यहाँ की पंचायत में जनभागीदारी के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं... मैं पंजाब के लोगों का आभारी हूँ। हमें ऐसा लग रहा है जैसे हम

सिराज का एयर इंडिया एक्सप्रेस पर फूटा गुस्सा: 'सबसे घटिया एयरलाइन अनुभव'

नई दिल्ली

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में हुई देरी पर अपनी निराशा और हताशा व्यक्त की है। उन्होंने इसे एयरलाइन की ओर से संचार और अपडेट की कमी के कारण सबसे खराब एयरलाइन अनुभव बताया है। दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रनों से शर्मनाक हार के बाद सिराज गुवाहाटी से हैदराबाद लौट रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप दो मैचों की श्रृंखला 0-2 से हार गई। पिछले साल न्यूजीलैंड से 3-0 की हार के बाद, यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा क्लीन स्वीप है। सिराज ने बुधवार शाम को उड़ान में हुई देरी पर नाराजगी जताई, जो शाम 7.25 बजे उड़ान भरने वाली थी। उन्होंने एयरलाइन की संचार की कमी को उजागर किया। एक एक्स पोस्ट में, सिराज ने लिखा कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या क 2884 को 7.25 पर उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है और बार-बार संपर्क करने के बाद भी उन्होंने बिना किसी उचित कारण के उड़ान में देरी कर दी है।

राजनाथ सिंह के यहां लंच, जेपी नड्डा के घर डिनर

दिल्ली में BJP-NDA की राजनीतिक हलचल तेज

नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद भारतीय राजनीति में हलचल थमने का नाम नहीं ले रही। जहाँ सत्ता पक्ष इस विजय को राष्ट्रीय जनमत के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, वहीं विपक्ष का संकट और गहराता दिखाई देता है। इसी बीच कांग्रेस के भीतर खुले असंतोष ने पार्टी नेतृत्व की कमजोर पकड़ को उजागर कर दिया है। बिहार में चुनावी नतीजों के बाद कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने जहां हार पर गहरी निराशा जताई, वहीं वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने खुलकर केंद्रीय नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में कांग्रेस का प्रदर्शन ह्लभाजपा की मेहनत के सामने कहीं नहीं था।ह्व यही नहीं, राशिद अल्वी ने राहुल गांधी को ह्लअप्राप्यह्व बताते हुए पार्टी की कमान प्रियंका गांधी वाड्रा को सौंपने की वकालत तक कर डाली। राशिद अल्वी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल दागते हुए कहा, ह्लराहुल गांधी से मिलना आसान नहीं है, पार्टी को सुधारना है तो प्रियंका गांधी को कमान दें। हम आपको याद दिला दें कि यही बात पहले भी कई नेता कह चुके हैं कि राहुल गांधी से मुलाकात का समय नहीं मिलता और समय मिलता भी है तो राहुल गांधी मुलाकात के समय बात सुनने की बजाय कुत्ते को बिस्किट खिलाने में व्यस्त रहते हैं।

दूसरी ओर, इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के बीच संसद के शीतकालीन सत्र से पहले एनडीए की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बुधवार दोपहर एक अहम बैठक हुई। इसमें भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, मनसुख मांडविया, मनोहर लाल खट्टर सहित कई मंत्री उपस्थित रहे। जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की उपस्थिति ने इस बैठक को और राजनीतिक महत्व प्रदान किया। बैठक का एजेंडा स्पष्ट था– एनडीए को एकजुट रखते हुए सत्र में विपक्ष को रणनीतिक रूप से घेरना और बिहार की जीत को एक बड़े राजनीतिक संदेश में बदलकर आगे की चुनावी तैयारी में गति देना।

शाम को भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने बिहार विजय में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं के सम्मान में अपने आवास पर रात्रिभोज रखा। इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन ने भाजपा की आगे की दिशा स्पष्ट कर दी।

सामाजिक न्याय के प्रखर प्रवक्ता प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की पुण्यतिथि के साथ वार्षिक उत्सव संपन्न

- राजनीतिक सामाजिक क्रांति के जनक थे राजा मांडा,,,मंत्री जयवीर सिंह
- शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही डबल इंजन की सरकार राजमणि कोल

शहजादे

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मा0 मंत्री का स्वागत करते हुए

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि मंत्री जयवीर सिंह पर्यटन एवं सांस्कृतिक विभाग

प्रेस वार्ता करते मा0 मंत्री

कोरांव। 27 नवंबर गुरुवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजनीतिक, सामाजिक क्रांति के जनक राजा माडा, एवं गोपाल विद्यालय के संस्थापक, सामाजिक न्याय के प्रखर प्रवक्ता का विद्यालय परिसर में वार्षिक उत्सव के साथ पुण्यतिथि का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

पुण्यतिथि एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटक एवं सांस्कृतिक मंत्री स्वतंत्र प्रभार जयवीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए कहा कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। और बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेरी ओर से शुभकामनाएं। आगे चलकर मैं आप सभी से यहीं उम्मीद करुंगा कि आप लोगों की प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र को समर्पित हो जिससे भारत सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करते हुए 2047 तक विकसित देश बन सके । आगे उन्होंने राजा मंडा के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सामाजिक न्याय के मसीहा राजनीतिक सामाजिक क्रांति के जनक विद्यालय के संस्थापक पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक सभी के सम्मान की लड़ाई जीवन पर्यंत राजा मांडा लड़ते रहे भले ही उसका लाभ उन्हें न मिला हो।

विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक कोरांव राजमणि कोल ने कहा कि शिक्षा में सुधार की दशा में अनेको कार्य कर रही है डबल इंजन की सरकार । जिससे आज विद्यालयों में सभी छात्रों को सुगमता पूर्वक शिक्षा प्राप्त हो रही है। पुण्यतिथि एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ निर्धन महिलाओं को मुख्य अतिथि के द्वारा विद्यालय के प्रबंधक अजेय सिंह के सहयोग से कंबल वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ल, नगर पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश प्रकाश केसरी, पुष्पराज सिंह पटेल, राजेश्वरी तिवारी, अजीत प्रताप सिंह, अरुण प्रताप सिंह उर्फ पप्पू, गोविंद सिंह, ब्लॉक प्रमुख मुकेश कोल, जिला पंचायत सदस्य अरुण कुमार चतुर्वेदी, प्रमोद प्यासी, संतरा देवी, , सहित विद्यालय परिवार से जुड़े हुए राजीव प्रताप सिंह , गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज के उपाध्यक्ष रुद्र नारायण बाजपेई, राघवेंद्र प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य मोहम्मद साबिर अली, उप प्रधानचार्य कमलेश तिवारी, सहित विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक गण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन विद्यालय के शिक्षक संतलाल मौर्य के द्वारा किया गया वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी ने की।

मंत्री ने की प्रेस वार्ता

जयवीर सिंह मंत्री ने कार्यक्रम में शामिलित होने के बाद प्रेस वार्ता कर पत्रकारों को सरकार की उपलब्धियां गिनाई। मंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से अब बड़े धरोहरों के साथ गांव गिराव की धरोहरों की सुधि लेकर मेरा विभाग और सरकार एक योजना चलाने जा रही है। जिससे धरोहरों की पहचान कायम रहे।

एक भी समस्या का हल नहीं निकला, सत्याग्रह जारी

दशवें दिन भी निरंतर चल रहा सत्याग्रह आंदोलन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जमुनापार क्षेत्र गौहनिया बाई पास पर भारतीय किसान यूनियन (किसान) का सत्याग्रह आंदोलन गुरुवार को दशवें दिन भी जारी रहा। इस बीच आन्दोलन स्थल पर पहुंचे अधिकारियों को किसानों ने मांग पत्र सौंपा। लेकिन अभी तक एक भी समस्या का हल नहीं निकला। यही कारण है कि भाकियू (किसान) संगठन ने सत्याग्रह जारी रखने का निर्णय लिया है।

सत्याग्रह आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पूर्वांचल प्रभारी राजीव चन्देल ने कहा कि एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम यहां पर एक दिन मात्र पांच मिनट के लिये आईं और सत्याग्रह पर बैठे पीड़ित किसानों की फरियाद सुने बिना चली गयीं । जिससे सत्याग्रह पर बैठे किसानों के बीच एसडीएम के खिलाफ आक्रोश फैल गया। सत्याग्रह के दो दिन बाद तहसीलदार बारा रोशनी सोलंकी ने भी ज्ञापन लिया और सभी मांगों के निस्तारण के लिये आश्वासन दिया। लेकिन किसी भी समस्या का हल नहीं निकला। जल जीवन मिशन हर घर नल से जल योजना में पाइप बिछाने के दौरान टूटी सड़क के पुनर्निर्माण के सवाल पर विधायक बारा डाक्टर वाचस्पति ने भी अधीक्षण अभियंता प्रवीण कुट्टी को फोन पर फटकार लगाई। विधायक ने सत्याग्रह आन्दोलन कर रहे किसानों का समर्थन किया और जल जीवन मिशन के कार्यालय पर धरने पर बैठने की चेतावनी दी। बावजूद इसके प्रशासन किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है।

वहीं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता गुलाब सिंह ग्रामीण ने कहा कि सत्याग्रह आन्दोलन तब तक किया जायेगा, जब तक किसानों की मांगे नहीं मानीं जायेंगी। सत्याग्रह आंदोलन के समर्थन में पहुंचे हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सिंह व कृष्णानंद शुक्ला जी ने कहा कि जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार की जांच के लिये हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की जायेगी।

मंडल अध्यक्ष मंजू राज, मंडल महासचिव धर्मेंद्र सिंह पटेल, मंडल उपाध्यक्ष मनोरमा आदिवासी, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा बसंत बहादुर बिन्द, सीता आदिवासी, अखिलेश सिंह पटेल, बलराम बंसल, अशोक कुमार कोल, इंद्रजीत सिंह पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष शंकरगढ अरुण सिंह, रितेश सिंह, सुनीता आदिवासी, लक्ष्मण प्रसाद, सेवा लाल भारतीया, छोटी देवी, कमला देवी सहित सैकड़ो किसान उपस्थित थे।

बीएलओ के साथ भाजपाइयों ने भी कसी कमर वार्ड-1 में फॉर्म गायब होने से परेशानी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान इस बार पूरे जोश के साथ चल रहा है। एसआईआर फार्म भरवाने और नए मतदाताओं के नाम जोड़ने को लेकर बीएलओ के साथ स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता भी मोर्चे पर उतरे हुए हैं। नगर के सभी 12 वार्डों में बीएलओ संतोष सिंह, सरोज कुमारी और उषा देवी के साथ भाजपा नेत्री उमा वर्मा, सतीश विश्वकर्मा, रामजतन बंसल, अनूप केशरवानी, रोहित केसरवानी, दीपक केसरवानी, सुखराम समेत कई समाजसेवी घर-घर जाकर लोगों को फार्म भरवा रहे हैं और मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं। अभियान का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। टीम लगातार लोगों को दस्तावेज तैयार रखने और तुरंत एसआईआर फार्म जमा करने की अपील कर रही है। स्थानीय स्तर पर यह मुहिम काफी प्रभावी दिखाई दे रही है। लेकिन इसी बीच वार्ड नंबर 1 चिकान टोला में फार्म गायब होने की शिकायत सामने आई है, जिसके कारण कई लोगों को फॉर्म नहीं मिल पाया। फार्म न मिलने से स्थानीय लोग परेशान हैं और उनका कहना है कि यदि समय रहते फॉर्म उपलब्ध नहीं किए गए तो कई नए मतदाता सूची में नाम जोड़ने से वंचित रह जाएंगे।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि वार्ड नंबर 1 में तुरंत फॉर्म उपलब्ध कराए जाएँ, ताकि सभी योग्य नागरिक निर्धारित समय के भीतर अपना नाम जुड़वा सकें।अधिकारियों और समाजसेवियों ने भी आश्वासन दिया है कि समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा और किसी भी नागरिक का अधिकार प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

अच्छी पैदावार के बाद भी धान औने-पौने दाम पर, खरीददार गायब, किसान भारी संकट में

शंकरगढ़। इस बार धान की खेती ने किसानों की उम्मीदों को नई उड़ान दी थी। पैदावार अच्छी हुई और किसानों को भरोसा था कि इस बार उनकी मेहनत का पूरा मूल्य मिलेगा। लेकिन बाजार की हकीकत बिल्कुल उलट है।धान की बढ़िया फसल के बावजूद किसान औनेझ्रपौने दाम पर धान बेचने को मजबूर हैं।स्थानीय बाजारों में खरीददारों की भारी कमी है और जो कुछ खरीददार मिल भी रहे हैं, वे लागत से कम कीमत पर धान खरीदने की पेशकश कर रहे हैं। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है। क्षेत्र के कई किसान जैसे सीध टिकट के शिव बदन सिंह, गदामार के छबिलाल सिंह, लवकुश तिवारी, करियाकला के मान बहादुर सिंह, दिवाकर सिंह, देवरी बेनी के मानसिंह, गड़ैया के श्याम सुंदर सिंह, सुरवल साहनी के मान सिंह, खभरा के रामखेलावन गुप्ता सहित अन्य किसान धान की बिक्री न होने से बेहद परेशान हैं।किसानों का कहना है कि बाजार भाव इतना गिर गया है कि खेती की लागत भी नहीं निकल पा रही, जिससे कर्ज और आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। मजबूरी में कई किसान औनेझ्रपौने दामों पर धान बेचने की सोचने लगे हैं, लेकिन इससे भी घाटा तय है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि सरकारी खरीद केंद्र तत्काल खोले जाएँ और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित की जाए, ताकि मेहनत की कमाई मिट्टी में न मिल जाए।बाजार की इस स्थिति ने किसानों को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अच्छी फसल के बाद भी अगर सही दाम न मिले, तो किसान जाए तो जाए कहाँ जाए।

रोड ऐक्सिडेंट में युवक की दर्दनाक मौत

करछना। प्रयागराज करछना थाना क्षेत्र के अंतर्गत रोकड़ी गांव निवासी एक युवक की गुरुवार रोड एक्सीडेंट में बस से कुचल कर दर्दनाक मौत हो गई करछना थाना क्षेत्र के रोकड़ी गांव निवासी समीर पटेल 22 वर्ष पुत्र करमचंद जो गांव के किनारे करछना कोहडार घाट मार्ग पर बाजार में चार्ट का ठेला लगाने का कार्य करता था, और शादी ब्याह में भी आर्डर लेकर चाट का स्टाल लगाने का कार्य करता था गुरुवार को सुबह वह एक शादी समारोह का आडर खत्म कर वह अपने घर स्कूटी से लौट रहा था उसी दौरान करछना थाना की कुछ दूरी पर बैंक आफ बड़ौदा बैंक के समाने कोहडार मार्ग पर सामने से आ रही तेज रफ्तार बस ने अनियंत्रित होकर जाकर स्कूटी में टक्कर लगने से स्कूटी सवार युवक बस के पीछले चक्का के नीचे दब गया जहां पर उसकी मौके पर मौत हो गई, स्कूटी में मिले कागजात से उसके घर पर सूचना पुलिस ने दी सूचना पाकर परिजन रोते बिलखते घटना स्थल पर पहुंचे, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर घर में मातम छा गया।

मुकदमा वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पूर्व में चल रहे मुकदमा वापस लेने से इंकार करने पर व्यक्ति को गालियां दी गई और जान से मारने की धमकी मिली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम किंगरिया का पूरा निवासी मान सिंह पुत्र फूलचंद्र का आरोप है कि उसके विपक्षी ने यह धमकी दी दी कि तुम मेरे ऊपर से मुकदमा वापस ले लो। आरोप है कि इंकार करने पर गालियां दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। मान सिंह ने मऊआइमा थाने में अनिल कुमार यादव तथा एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

इम्पीरियल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल जीता

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके के ब्लाक बाजार स्थित इम्पीरियल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के छात्रों ने सोरांव के एल डीसी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नीकल स्टडीज में आयोजित उडान 2025 इंटर स्कूल प्रतियोगिता में भाग लिए। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के अनेकों विधालय के छात्र छात्राओं ने बढ चढ कर सहभागिता की। जिसमें इम्पीरियल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के छात्रों ने अलग अलग प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर पदक जीत कर विधालय का नाम रोशन किए। जिसमें सारा लतीफ कक्षा 11 गोल्ड मेडल (इंग्लिश डिवेट), नैना कक्षा 12 गोल्ड मेडल (कक्विज प्रतियोगिता), मोहम्मद शादाब कक्षा 12 (सिल्वर मेडल शॉट पुट), कुम कुम मोदनवाल कक्षा 12 (ब्रांन्ज मेडल सौ मीटर रेस) विधालय के छात्रों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल जीतने पर विधालय के निदेशक नूर उद्दीन सैफी, प्रधानाचार्य ई एन विल्सन, उप प्रधानाचार्य उपेन्द्र राय, शिक्षकों आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र छात्राओं को बधाई दी है।

विधिक सेवा प्राधिकरण का जागरूकता शिविर ग्रामीणों को मिली मुफ्त कानूनी सलाह

अखंड भारत संदेश

करछना। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद एवं महिला क्लब के सहयोग से गुरुवार सुबह 11 बजे लाल प्रताप सिंह विधि महाविद्यालय, मुंगारी में विधिक सेवा एवं सामाजिक सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीणों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ की सचिव डॉ. मनु कालिया और प्रयागराज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार गौतम ने उपस्थित लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता की प्रक्रिया से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि गरीब, असहाय, अनुसूचित जाति और जनजाति के व्यक्ति टोल फ्री नंबर 15100 पर कॉल कर किसी भी प्रकार की कानूनी राय या सहायता प्राप्त कर सकते हैं। अधिकारियों ने ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।इसके साथ ही ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं–जैसे पेंशन योजनाएं, महिला सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाएं, घरेलू हिंसा अधिनियम, छात्रवृत्ति, एवं पीड़ित प्रतिकर योजना–के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भूमि विवाद, घरेलू हिंसा, पेंशन, सहायता योजनाओं और अन्य कानूनी मुद्दों से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से समाधान दिया।इसी दौरान करछना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा टीम ने ग्रामीणों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। रक्तचाप, ब्लड शुगर, हड्डी-जोड़ों की समस्या, सामान्य बीमारियों की जांच के साथ जरूरतमंदों को वहीं पर दवाओं का वितरण भी किया गया। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने बड़ी संख्या में स्वास्थ्य जांच कराई।

कार्यक्रम में एसडीएम करछना, तहसीलदार डॉ. बृजेश कुमार, प्रधान प्रतिनिधि मानवेंद्र प्रताप सिंह, विद्यालय प्रशासन और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। अधिकारियों ने ऐसे शिविरों को ग्रामीणों के हित में अत्यंत उपयोगी बताया और आगे भी इस प्रकार की गतिविधियाँ संचालित करने की बात कही।

नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में संविधान दिवस मनाया गया

अखंड भारत संदेश

जंघई। नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में प्राचार्य डाक्टर नीरज जी के नेतृत्व में राजनीति शास्त्र विभाग के तत्वाधान में संविधान दिवस मनाया गया। जिसमें विभाग के डॉक्टर अमित कुमार पांडेय ने संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पहले यह संविधान दिवस, कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था लेकिन 2015 से बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के स्वरूप में इस दिवस को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। संविधान की प्रस्तावना को प्लेटो के दर्शन से जोड़ते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि संविधान किसी भी देश का जीवन रथ होता है। वह किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के सफल संचालन के लिए अत्यंत आवश्यक होता है । संविधान की प्रस्तावना मानव मन को लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए तैयार करने की एक आधारशिला होती है। अंत में भारतीय संविधान के प्रस्तावना की सभी प्राध्यापक गण एवं छात्र/छात्राओं के द्वारा ली गई।

सूचना

मैं माता पुष्पा उर्फ गुड़िया गुप्ता निवासी 54/51 नई बस्ती की निवासी हूं मेरा पुत्र अजय उर्फ अनिकेत गुप्ता मेरे कहने सुनने में नहीं है उसके किये गये किसी भी कार्य उचित अनुचित कार्य से मेरा या मेरे परिवार का कोई भी सरोकार नहीं है वे अपने किये गये किसी भी कार्य का वह खुद स्वयं जिम्मेदार होगा उसके किये गये किसी भी कार्य से मेरा या मेरे परिवार की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी मैं पुष्पा उर्फ गुड़िया गुप्ता पत्नी स्व० प्रमोद गुप्ता अपने पुत्र अजय उर्फ अनिकेत को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूं आज दिनांक 27.11.2025 से मेरा या मेरे परिवार का उससे किसी प्रकार को कोई सम्बन्ध नहीं हेगा।

एसआईआर का कार्य महत्वपूर्ण, कार्य को प्राथमिकता पर निर्धारित समयावधि में करें पूर्ण : जिलाधिकारी

पुनरीक्षण अभियान के तहत आर्य कन्या पीजी कालेज व अन्य बूथों का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत फार्मों के कलेक्शन एवं डिजिटाइजेशन के कार्य में तेजी लाये जाने के दृष्टिगत आर्य कन्या पीजी कालेज में बनाये गये बूथों एवं अन्य बूथों में सम्बंधित बीएलओं के द्वारा किए जा रहे एसआईआर फार्मों के वितरण ,कलेक्शन एवं डिजिटाइजेशन के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया और कार्य प्रगति का जायजा लेते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने जिन बूथों पर फार्मों के कलेक्शन एवं डिजिटाइजेशन के कार्य की प्रगति ठीक नहीं है तथा इस कार्य में बीएलओ के द्वारा लापरवाही या कार्य के प्रति उदासीनता बरती जा रही है उन बूथों का निरीक्षण करते हुए ऐसे बूथों पर एसआईआर की धीमी प्रगति होने के कारणों की जानकारी ली और संबंधित बीएलओ एवं अन्य अधिकारियों को फॉर्म कलेक्शन एवं डिजिटाइजेशन को बढ़ाये जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपस्थित क्षेत्र के लोगो को अपने-अपने फार्म भरकर बीएलओ को उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा और बीएलओ के सहयोग के लिए लगाये गये अन्य कर्मचारी को भी कार्य में प्रगति लाये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े सभी लोग अपनी जिम्मेदारी निभाएं। किसी के भी स्तर से लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर का कार्य महत्वपूर्ण है, इसको निर्धारित समयावधि में प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाना है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सभी मतदाताओं से जल्द से जल्द अपना फार्म बीएलओं को उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध भी किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपस्थित लोगो से कहा कि सभी मतदाता अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए बीएलओ को शीघ्रता से फार्म भर कर उपलब्ध करा दें, जिससे कि समय से फार्म की फीडिंग करायी जा सके। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के द्वारा सम्बंधित बीएलओ के बार-बार विजिट के बावजूद भी अभी तक फार्म भरकर उन्हें उपलब्ध नहीं कराया है अथवा फार्म भरने के कार्य में अपेक्षित सहयोग भी नहीं किया जा रहा है ऐसे मतदाताओं का नाम 9 तारीख को प्रकाशित होने वालीआलेख सूची में नहीं आ पाएगा इसलिये सभी लोग जल्द से जल्द फॉर्म भरकर उपलब्ध करा दे। उन्होंने कहा कि लोग अपना फॉर्म ऑनलाइन माध्यम से भी भर सकते हैं इसलिये यदि कोई ऑनलाइन भरना चाहता है तो जल्द से जल्द ऑनलाइन माध्यम से फॉर्म सबमिट कर दें।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में फार्मों का डिजिटाइजेशन करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बीएलओ एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से वहाँ पर कितने मतदाता हैं उनके सापेक्ष कितने फॉर्म वितरित एवं संग्रहित किए गए और कितने फॉर्म डिजिटाइज हुए की जानकारी प्राप्त करते हुए सभी अधिकारियों को मिल कर कार्य की गति को बढ़ाते हुए शीघ्रता से फार्मों का डिजिटाइजेशन कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने बीएलओ को घर-घर संपर्क अभियान बढ़ाये जाने एवं मतदाताओं से फॉर्म भरवाकर उन्हें संग्रहित करने और उनकों डिजिटाइज किए जाने के कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने बूथ पर उपस्थित लोगो से बात कर उनकी समस्याओ को भी जाना तथा उन्हें फॉर्म भरने की प्रक्रिया एवं आवश्यक निदेशों की भी जानकारी दी गयी। इस अवसर पर नगर आयुक्त/सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सीलम सांई तेजा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

माघ मेले में श्रद्धालुओं को प्वाइंट टू प्वाइंट मोबिलिटी उपलब्ध कराने के मण्डलायुक्त ने दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । माघ मेला 2026 में आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र पहुंचने हेतु कम से कम पदयात्रा करनी पड़े यह सुनिश्चित करने के दृष्टिगत मंडलायुक्त श्रीमती सौम्य अग्रवाल तथा पुलिस कमिश्नर जोगिंदर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में मेला प्राधिकरण कार्यालय स्थित आई ट्रिपल सी सभागार में पुलिस, परिवहन, मेला तथा जिला प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारियों के साथ ट्रैफिक मूवमेंट प्लान की बैठक संपन्न हुई। इसमें मेला अवधि में परिवहन विभाग द्वारा संचालित होने वाली बसों के रूट प्लान पर चर्चा करते हुए नवाचार के रूप में माघ मेले 2026 में श्रद्धालुओं को प्वाइंट टू प्वाइंट मोबिलिटी उपलब्ध कराने के निर्देश मण्डलायुक्त द्वारा दिए गए। इसके अंतर्गत श्रद्धालुओं को जनपद के विभिन्न पिकअप प्वाइंट से मेला क्षेत्र की निकटतम पार्किंग तक पहुंचाने हेतु टू व्हीलर्स की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।मेला प्रशासन टेंडर के माध्यम से ओला, ऊबर एवं रैपिडो जैसी कंपनियों को आबद्ध करते हुए उनसे किलोमीटर के आधार पर किराया चार्ट बनवाएगा। सभी आबद्ध ड्राइवर्स के लिए निर्धारित रूट पर ही टू व्हीलर चलाना तथा तय किराए संबंधित बनाये गये नियमों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा। अनुपालन सख्ती से कराया जा सके इसके दृष्टिगत कम्पनियों को उनके द्वारा आबद्ध किए गए ड्राइवर्स की संख्या एवं विवरण प्रशासन को देना होगा। टू व्हीलर्स के रूट चार्ट बनाने हेतु पुलिस, परिवहन एवं रेलवे के अधिकारियों की समिति गठित की जाएगी। यह सुविधा 1 जनवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 के बीच सिर्फ नॉन पीक डेज पर उपलब्ध रहेगी।शटल बसेस के संबंध में परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि मेला अवधी के लिए 75 ईवी एवं 200 डीजल बसों की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। नॉन पीक डेस पर सिर्फ ईवी बसों को अथवा पीक डेस पर सभी बसों को चलाने की योजना है। संबंधित अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि भीड़ को देखते हुए बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। उन्होंने शहर के विभिन्न स्थानों को मेला क्षेत्र की निकटतम पार्किंग तक जोड़ने हेतु बनाये गये विभिन्न रूट प्लान के बारे में भी जानकारी दी जिस पर मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि बसों को जी टी जवाहर एवं अन्य सेंसिटिव स्थानों पर जहां पर जाम लगने की संभावना अधिक है वहाँ पर न लाया जाए।बैठक में जिलाधिकारी मनीष वर्मा एडिशनल कमिश्नर पुलिस डॉ॰ अजयपाल, मेला अधिकारी ऋषिराज, नगर आयुक्त सेलम साई तेजा तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

तहसीलदार बारा ने मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं को फार्म किया वितरण

अखंड भारत संदेश

बारा। बृहस्पतिवार को तहसीलदार बारा रोशनी सोलंकी ने क्षेत्र केअमरेहा घूरपुर, देवरिया, भीटा, बीकर आदि बूथों पर पहुंचकर मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं के फॉर्मो का वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन के कार्यों का जायजा लिया एवं सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथों पर एसआईआर की धीमी प्रगति होने के कारणों की जानकारी लेते हुए संबंधित बीएलओ एवं अन्य अधिकारियों को फॉर्म कलेक्शन एवं डिजिटाइजेशन को बढ़ाये जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। तहसीलदार बारा,ने कहा कि वर्तमान में फार्मों का डिजिटाइजेशन करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बीएलओ एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से वहां पर कितने मतदाता हैं उनके सापेक्ष कितने फॉर्म वितरित एवं संग्रहित किए गए और कितने फॉर्म डिजिटाइज हुए की जानकारी प्राप्त करते हुए सभी अधिकारियों को मिल कर कार्य की गति को बढ़ाते हुए शीघ्रता से फार्मों का डिजिटाइजेशन कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी मतदाताओं से जल्द से जल्द अपना फार्म बीएलओं को उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया है। उन्होंने बीएलओ को घर-घर संपर्क अभियान बढ़ाये जाने एवं मतदाताओं से फॉर्म भरवाकर उन्हें संग्रहित करने और उनकों डिजिटाइज किए जाने के कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने बूथ पर उपस्थित लोगो से बात कर उनकी समस्याओं को भी जाना तथा उन्हें फॉर्म भरने की प्रक्रिया एवं आवश्यक निदेशों की भी जानकारी दी।

इंस्पेक्टर की कुर्सी छिनी, वकीलों के द्वारा विरोध करने में 6 घंटे तक लगा जाम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धूमनगंज थानेदार गुरुवार देर शाम लाइन हाजिर कर दिए गए। उनके खिलाफ बार काउंसिल के उम्मीदवार प्रदीप देवघर त्रिपाठी ने अपने साथी अधिवक्ताओं के साथ मोर्चा खोल प्रयागराज कानपुर हाईवे जाम लगा दिया। पुलिस अफसर व प्रदर्शनकारी वकीलों के बीच बातचीत के बाद हुई तात्कालिक कार्यवाही व जांच के आश्वासन के बाद प्रदर्शन खत्म कर ट्रैफिक सामान्य कर दिया है।शहर के धूमनगंज थाना प्रीतम नगर निवासी अधिवक्ता पीयूष सिंह को उनके बैंक से एक मैसेज निवाल पर आया कि करीब 16 लाख रुपए बुधवार की शाम किसी दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए गए है। अधिवक्ता पीयूष सिंह ने बताया, खाते से बड़ी रकम बिना बताए बैंक के मैनेजर ने ट्रांसफर कर दी। जिसकी जानकारी लेने वह बैंक पहुंचे तो उन्होंने उनसे अभद्रता की। जिसकी शिकायत लेकर वह थाना धूमनगंज पुलिस के पास पहुंचे। आरोप है कि थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश उपाध्याय ने कई कोशिश के बाद भी उनका फोन नहीं उठाया। थाने पहुंचने पर उनके व उनके साथी अधिवक्ता प्रदीप देवधर तिवारी के साथ बदसुलूकी करते हुए सर्विस रिवॉल्वर पर हाथ लगाकर गोली मारने की धमकी दी।जिसके बाद नाराज अधिवक्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते थाना परिसर के बाहर आए और कानपुर प्रयागराज हाईवे जाम लगा दिया।

बार काउंसिल चुनाव के प्रत्याशी अधिवक्ता प्रदीप तिवारी ने आरोप लगाया है कि थाने में जानकारी लेने पहुंचे तो इंस्पेक्टर उनके साथ अभद्रता की। उन्होंने बताया कि वह अपने अधिवक्ता साथी पीयूष सिंह पटेल के मामले में थाने पहुंचे थे। पहले फोन पर इंस्पेक्टर से बात करने की कोशिश की, लेकिन कॉल न उठाने पर दूसरे नंबर से संपर्क किया। थाने पहुंचते ही इंस्पेक्टर ने बाहर जाने को कहा और गुस्से में पिस्तौल उठाकर ह्लगोली मार दूंगाह्व तक कह दिया। दीवान ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली।

प्रदीप देवधर तिवारी ने आरोप लगाया कि इंस्पेक्टर वकीलों को ह्लदलालह्व कहकर गाली दे रहे थे और मानसिक रूप से असंतुलित दिखाई दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कानून सेवा देने वाला कोई भी लोक सेवक ऐसी भाषा और धमकी का अधिकार नहीं रखता। उन्होंने तत्काल इंस्पेक्टर को निलंबित करने और धमकी देने के आरोप में FIR दर्ज करने की मांग की है।

अधिवक्ताओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए डीसीपी मनीष शांडिल्य थाना धूमनगंज पहुंचे। 3 बजे से लगातार पुलिस अधिकारी लगातार नाराज अधिवक्ताओं को समझने का प्रयास करते रहे, लेकिन अधिवक्ता इंस्पेक्टर राजेश उपाध्याय को थानेदार की कुर्सी से हांकते जाने व पिस्टल लेकर धमकाने की FIR दर्ज किए जाने की मांग पर अड़े रहे।लगातार पुलिस के खिलाफ नारेबाजी व प्रदर्शन को संभालने के लिए पुलिस अफसरों ने 4 थाने के पुलिस को मौके पर तैनात किया।धरने को खत्म खत्म कराने के लिए डीसीपी मनीष शांडिल्य, एडीसीपी, ट्रेनी आईपीएस, सहित 2 सर्किल के एसीपी को सुरक्षा के लिहाज से प्रदर्शन स्थल पर तैनात किया गया। करीब 7 बजे शाम वकीलों के प्रदर्शन के आगे आखिर कार पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी अधिवक्ताओं की मांग पर इंस्पेक्टर धूमनगंज को लाइन हाजिर कर दिया गया।

डीसीपी मनीष शांडिल्य ने बताया, वकीलों की मांग के अनुसार पूरे मामले की जांच एडीसीपी को सौंप दी है। जांच के बाद सामने आने वाले तथ्य के आधार कर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

हनुमानगंज में सीएनजी सिलेंडर लीक, बड़ा हादसा टला

हनुमानगंज। वाराणसी-प्रयागराज मार्ग पर हनुमानगंज बाजार में गुरुवार रात करीब 8 बजे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सीएनजी सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक के सिलेंडर से अचानक गैस लीक होने लगी जिससे बाजार और जीटी रोड पर हड़कंप मच गया।

प्रयागराज से हंडिया की ओर जा रहे एक ट्रक में लदे सीएनजी सिलेंडर में किकेज हो गया। राहगीरों ने देखा तो इस सिलेंडर लदे ट्रक के चालक को राहगीरों ने तुरंत रुकवाया जिसके बाद गैस रिसाव की तेज आवाज से लोग दहशत में आ गए और अपनी दुकानें छोड़कर बाहर निकल आए। गैस लीक होने के कारण जीटी रोड की दोनों लेन पर वाहनों का आवागमन भी थम गया। सूचना मिलते ही सरायइनायत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रक को भीड़भाड़ वाले बाजार से दूर वीराने में ले जाया गया। बाद में जांच में पता चला कि सिर्फ एक सिलेंडर में लीकेज थी। समय रहते एक बड़ा विस्फोटक हादसा टाल गया। थाना प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि ट्रक को रवाना कर दिया गया।

धमकी भरे गाने के साथ माफिया अतीक के बेटे का वीडियो वायरल, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद का इंटरनेट मीडिया पर बुधवार को वीडियो प्रसारित हुआ। एक वैवाहिक समारोह में शामिल अबान के वीडियो के बैकग्राउंड में धमकी भरा गाना बज रहा था।

गाना था, 'सामने वाले को हमसे क्या मिलेगा, ये उसकी औकात बताएगी, हम दिल रखते हैं और असलहा भी, तूफान और हम जब भी आते हैं, मां कसम...'। इसको लेकर धूमनगंज थाना में मुकदमा दर्ज किया गया है।

अतीक के पांच बेटों में सबसे बड़ा उमर व दूसरे नंबर का अली जेल में बंद हैं। तीसरे नंबर का असद पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है। उमेश पाल हत्याकांड को उसी ने अपने साथियों के साथ अंजाम दिया था।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया के चौथे नंबर के पुत्र अहजम व पांचवें नंबर के अबान अहमद पुलिस को चकिया के पास लावारिस हालत में घूमते हुए मिले थे। पुलिस ने दोनों को राजरूपपुर स्थित बालगृह में रखा था। दोनों 221 दिन तक यहां रहे थे।

इसके बाद उन्हें यहां से बाहर निकाला गया तो वह हटवा में रहने वाले एक रिश्तेदार के यहां चले गए। 17 सितंबर को अबान अहमद पहली बार नजर आया था, जब वह तीन कारों के काफिले के साथ नैनी जेल में बंद बड़े भाई अली से मुलाकात करने गया था।

हालांकि, इसके बाद अली को यहां से झांसी जेल स्थानांतरित कर दिया गया था। एसीपी धूमनगंज अजेंद्र यादव का कहना है कि वीडियो रील प्रसारित होने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्र की सूची से बाहर हुए 615 से ज्यादा स्कूल

प्रयागराज। नकल में संलिप्त रहे या किसी भी परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने के आरोप में घिरे माध्यमिक विद्यालय वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए केंद्र नहीं बनाए जाएंगे। इन विद्यालयों की सूची उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी, ताकि वह परीक्षा केंद्र न बन सकें। ऐसे विद्यालयों की संख्या सवा छह सौ से ज्यादा है। इनमें डिबार विद्यालयों से ज्यादा संख्या उन विद्यालयों की है, जिनके विरुद्ध मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई गतिमान है। परीक्षा केंद्र का निर्धारण आनलाइन माध्यम से किया जाएगा। परीक्षा केंद्र न बनने के लिए उन विद्यालयों की सूची अलग से अपलोड की जाएगी, जिनमें वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 की बोर्ड परीक्षा में सचल दल एवं शिक्षा विभाग/ जिला प्रशासन/ एसटीएफ के निरीक्षण/ पर्यवेक्षण अधिकारियों द्वारा परीक्षा के समय सामूहिक नकल पाए जाने पर पुनः परीक्षा करानी पड़ी। जिन विद्यालयों को परीक्षा समिति/शासन द्वारा डिबार किए जाने का निर्णय लिया गया है, वह भी केंद्र की सूची से बाहर रहेंगे। इसमें वह विद्यालय भी हैं, जिनमें उत्तरपुस्तिकाएं परीक्षा केंद्र से बाहर लिखते हुए पकड़ा गया है। इस तरह के विद्यालयों की संख्या करीब 250 है। इसके अलावा बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने ऐसे विद्यालयों की सूची भी तैयार कराई है, जिनके विरुद्ध मान्यता खत्म करने की कार्रवाई चल रही है। ऐसे विद्यालयों की संख्या पौने चार सौ के लगभग है।

माण्डा पुलिस को बड़ी सफलता

134 ग्राम अल्प्राजोलम पाउडर के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

खबर का असर

मांडा। अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना माण्डा पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए माण्डाखास निवासी जगदीश पाल उम्र 45 को 134 ग्राम अवैध नशीला पाउडर (अल्प्राजोलम) के साथ माण्डा-लालगंज रोड स्थित मस्तान शाह बाबा मजार के पास से गिरफ्तार किया। इस संबंध में थाना माण्डा में मु.अ.सं. 273/25, धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पूछताछ में अभियुक्त ने नशीले पदार्थों की बिक्री में शामिल होने की बात स्वीकारने का दावा किया है।

अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट का एक मामला दर्ज था। मांडा क्षेत्र में तेजी से फल फूल रहा अवैध कारोबार एवं अपराधियों द्वारा बढ़ता अपराध समाचार पत्र में प्रकाशित होने पर मांडा पुलिस अपराधियों पर पैनी नजर रखते हुए सघन चेकिंग शुरू कर दिया है ' अपराधियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः उ.नि. अमित नागर, उ.नि. शिवकुमार गोयल, उ.नि. आमिर खान उस्मानी, हे.का. श्लोक प्रसाद, का. विकास यादव. आदि ने दबोच कर मांडा थाने लाया और पुलिसिया कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया।

बीआरसी कौंधियारा में मीना मंच एवं पावर एंजिल प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

कौंधियारा। ब्लॉक संसाधन केंद्र कौंधियारा में विशेष परियोजना समानता के तहत आयोजित मीना मंच एवं पावर एंजिल सशक्तिकरण कार्यशाला का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम राज्य परियोजना विभाग, समग्र शिक्षा के निदेर्शानुसार आयोजित किया गया, जिसमें राज्य स्तरीय प्रशिक्षित संदर्भदाता रमेंद्र कुमार सक्सेना एवं आभा रानी श्रीवास्तव ने कुल 36 सुगमकताओं को विविध विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार अवस्थी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। उद्घाटन सत्र में यूनिसेफ प्रतिनिधि इंजीनियर मोहम्मद कमर रजा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए बालिका शिक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में मोनिका सिंह, अनित मिश्रा, नीरज मिश्रा, रामबाबू और दुर्गेश मिश्रा ने संचालन एवं व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। प्रशिक्षण के दौरान वीरांगना एप, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पॉक्सो अधिनियम, बालिका शिक्षा, तनाव प्रबंधन, आत्मसम्मान और मीडिया प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सुगमकताओं को इन विषयों से संबंधित प्रायोगिक गतिविधियों में शामिल कर उनकी समझ को मजबूत किया गया।

समापन सत्र में इंजीनियर मोहम्मद कमर रजा एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार अवस्थी ने सभी 36 सुगमकताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में रश्मि सिंह, प्रतिमा दुबे, वंदना अरोरा, अर्चना मेधावी, बिनती गुप्ता, सुनीता भारतीय, मंजू लता, संदीप त्रिपाठी, मोहम्मद रिजवान, अशोक यादव, संदीप यादव, नीलम श्रीवास्तव, अनीता यादव, रागिनी जायसवाल, उर्मिला एवं उमेश चंद्र पांडेय सहित अन्य प्रतिभागियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

गणना प्रपत्र न भरने वाले मतदाता आगामी सूची से रह सकते हैं वंचित : एडीएम

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का तीव्र गति देने हेतु डीएम ने अधिकारियों के साथ की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने कैम्प कार्यालय के सभागार में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को तीव्र गति देने हेतु जनपद स्तरीय व खण्ड शिक्षा अधिकारियों तथा बीआरसी के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान कम प्रगति वाले मतदेय स्थलों पर अतिरिक्त विभागीय कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है जिसमें स्वयं पहुॅचकर कार्य की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करें। जिलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर अभियान के तहत फीडिंग कार्य, आनलाइन/ आफलाइन फार्म भरने, गणना प्रपत्रों के संकलन जैसे महत्वपूर्ण कार्यो में जो भी समस्या आ रही हो इसमें सहयोग कर प्रगति को बढ़ायें जिससे बूथों पर शत प्रतिशत फार्म भराये जा सके, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता न बरती जाये नही तो स्वयं की जिम्मेदारी तय की जायेगी। बूथों पर विभाग के जो भी कर्मचारी लगे है उनके माध्यम से गांवों में घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों को भरवाकर फार्म एकत्रित कर फीडिंग भी कराना सुनिश्चित करें, यदि कहीं पर कोई समस्या आ रही है तो सम्बन्धित उच्चाधिकारियों को अवगत करायें, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुये कहा है कि गणना प्रपत्रों को भरकर यथाशीघ्र बीएलओ को उपलब्ध करायें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0श्रा0) आदित्य प्रजापति ने अधिकारियों से कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान अभी तक 45 प्रतिशत ही फीडिंग का कार्य जनपद में किया गया है इसमें अत्यधिक तीव्र गति से कार्य करने की आवश्यकता है जिससे शत प्रतिशत कार्य को निर्धारित समयावधि के अन्तर्गत पूरा किया जा सके। अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र नहीं भरे जायेगें तो वह मतदाता सूची से वंचित हो सकते है इसलिये विभागीय टीमों के माध्यम से प्रत्येक घर तक संदेश पहुॅचाया जाये ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जाये। बैठक में जिला विकास अधिकारी सहित जनपद स्तरीय व खण्ड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

बोलेरो की टक्कर से घायल मासूम की इलाज के दौरान मौत

पट्टी। मंगलवार को आसपुर देवसरा दाउदपुर संपर्क मार्ग पर धौरहरा रामपुर मोड़ पर बोलेरो बाइक की टक्कर हो गई थी। टक्कर में पूरे दलपत शाह निवासी इंदल सिंह निवासी आसपुर देवसरा उनकी पत्नी अंगूरा देवी के साथ इकलौता बेटा अर्चित सिंह उम्र 4 वर्ष घायल हो गए। तीनों घायलों को आसपुर देवसरा पुलिस ने सामुदायिक केंद्र भेजा था। जहां पर प्राथमिक उपचार करने के बाद मौजूद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। परिजन अर्चित सिंह के बेहतर इलाज हेतु जौनपुर के निजी अस्पताल ले गए थे। जहां पर मासूम की सांस थम गई। बेटे की मौत पर परिजनों में कोहराम मच गया। पीड़ित की तहरीर पर आसपुर देवसरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।आसपुर देवसरा थाना अध्यक्ष विजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अर्चित की जौनपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों की मांग पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बोलेरो के साथ चालक को हिरासत में लिया गया है।

तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन

29,30 नवंबर व 1 दिसंबर को एम्स, पीजीआई, बीएचयू के डाक्टर रहेंगे मौजूद

बेलखरनाथ धाम। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें एम्स, पीजीआई बीएचयू ,मेडिकल कॉलेज व जिले के नामचीन डाक्टर मौजूद रहेंगे। स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की बीमारियों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवा वितरण किया जाएगा।रानीगंज तहसील क्षेत्र के शिवकुमारी दुबे इंटर मीडिएट कॉलेज में पंडित रामदेव दुबे पूर्व विधायक की स्मृति में सामुदायिक विकास समिति द्वारा तीन दिवसीय संपूर्ण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है।इस बार यह आयोजन 29, 30, नवंबर व 1 दिसम्बर को किया गया है। जिसमें एम्स, सफदरजंग आयुर्वेद संस्थान दिल्ली, पीजीआई लखनऊ, बीएचयू वाराणसी, मोती लाल मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के साथ ही प्रतापगढ़ के चिकित्सा विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे।कार्यक्रम के आयोजक हाईकोर्ट के अधिवक्ता दिल्ली दूरदर्शन के पूर्व डायरेक्टर डाक्टर महेंद्र दुबे ने क्षेत्र वासियों से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में पहुंचने की अपील की है।

हृदय रोग, न्यूरो व गठिया सहित बाल रोग विशेषज्ञ करेंगे शिरकत .

दिल्ली दूरदर्शन के पूर्व निदेशक डॉ महेंद्र दुबे ने बताया कि 29 30 नवंबर व 1 दिसंबर को आने वाले डॉक्टर में गठिया विभाग एम्स के प्रोफेसर डॉक्टर उमा कुमार, वरिष्ठ नेत्र चिकित्सा डॉक्टर सुमित ग्रोवर एम्स, श्वास फेफड़ा विभाग सफदरगंज के डाक्टर रोहित कुमार,न्यूरोलॉजिस्ट प्रोफेसर डॉक्टर अचल श्रीवास्तव एम्स , मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दीपक कुमार गुप्ता,अंत स्रावी ग्रंथि विभाग के प्रोफेसर डाक्टर राजेश खडगावत,मातृ व प्रसूति रोग विशेषज्ञ एम्स डाक्टर नीलाचली सिंह, हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर डाक्टर प्रीति गुप्ता सफदरगंज, हड्डी रोग विशेषज्ञ डाक्टर असजद एम्स,नाक कान गला विषेशज्ञ एम्स प्रोफेसर डाक्टर कपिल सिक्का, चर्म रोग विशेषज्ञ डाक्टर सुष्मिता बानरा एम्स, मनोरोग विशेषज्ञ डाक्टर वैभव पाटिल एम्स,जठरात्र व गैस्ट्रो रोग विशेषज्ञ के साथ ही मेडिकल कॉलेज प्रयागराज,व जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ के भी डाक्टर व विषेशज्ञ मौजूद रहेंगे।

दुर्घटना में युवकों की दर्दनाक मौत से मचा कोहराम

प्रतापगढ़। इलाज कराकर लौट रहे एक ही गांव के दो युवकों की दुर्घटना में दर्दनाक मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के हर्षपुर कोटवा निवासी अनिल मिश्र (45) पुत्र गंगाराम मिश्र बुधवार को अपना इलाज कराने पड़ोसी जिले रायबरेली गया था। अनिल के साथ गांव के ही चेतन मिश्रा (15) पुत्र सुनील मिश्र भी गया था। इलाज कराकर लौटते समय रायबरेली के भदोखर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सामने से आ रहे वाहन ने बाइक को टक्कर मार दिया। दुर्घटना में अनिल व चेतन को गंभीर चोटें आ गयी। पुलिस ने दोनों घायल युवकों को रायबरेली एम्स इलाज के लिए पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने चेतन को मृत घोषित कर दिया। वहीं कुछ ही देर में चिकित्सकों ने अनिल को भी मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मृतकों के घर पहुंची तो कोहराम मच गया। बदहवाश परिजन आननफानन में घटनास्थल पर पहुंचे। गुरूवार की सुबह मृतकों का रायबरेली के अस्पताल में पीएम हुआ। दोपहर शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया।

सांगीपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को भेजा जेल

प्रतापगढ़। किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियो को पुलिस ने जेल भेजा है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के सुजाखर गांव निवासी शहबान अली पुत्र खालिक, फातिमा पत्नी मुनौवर अली, शाहीन पत्नी शमीम एक किशोरी के अपहरण के मामले में वांछित चल रहे थे। मुखबिर की सूचना पर सांगीपुर के उप निरीक्षक हरिन्द सिंह ने देउम चैराहा के समीप से गुरूवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया है। सांगीपुर थानाध्यक्ष राजेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियो से पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

जमीनी रंजिश में मां बेटी को मार-पीट कर किया घायल

पट्टी। जमीनी विवाद को लेकर मां बेटी को लाठी डंडों से मार-पीट कर घायल कर दिया। पीड़िता ने मामले की सूचना डायल 112 पुलिस से करते हुए कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली इलाके के शीला देवी पत्नी श्रीराम निवासी भदेवरा ने गुरुवार की सुबह पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसके पड़ोसियों से जमीन का रंजिश चल रहा है उसी रंजिश को लेकर सुबह करीब 9 बजे के आस-पास पड़ोसी लाठी डंडा लेकर उसके घर आए और मां-बहन को गालियां देते हुए मारने पीटने लगे। वही बीच बचाव करने आई बेटी नीतू को भी लाठी डंडों से मार-पीट कर घायल कर दिया। हल्ला गुहार सुनकर आस पड़ोस के लोगों के बीच बचाव करने पर पीड़िता की जान बची। पुलिस मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

केस दर्ज करने व गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने हाईवे जाम करने का किया प्रयास

लीलापुर पुलिस के कार्रवाई के आश्वासन पर माने, टेण्ट खोलते समय गई थी किशोर की जान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। टेण्ट खोलते समय एचटी लाइन की चपेट में आने से किशोर की मौत हो गयी थी। पीएम के बाद शव घर पहुंचने पर चीखपुकार मच गयी। आक्रोशित परिजनों ने हाइवे जाम करने का प्रयास किया लेकिन टेण्ट संचालक के खिलाफ केस दर्ज करने पर परिवार के लोग अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुये। लीलापुर थाना क्षेत्र के कटवढ़ गांव में राजेश यादव के यहां किसी आयोजन में हण्डौर निवासी टेण्ट हाउस संचालक जाहिद अली ने टेण्ट लगवाया था। बुधवार को टेण्ट खुलवाने के लिए हण्डौर निवासी गोरे लाल के पन्द्रह वर्षीय पुत्र गुलशन सरोज को ले गया था। इस दौरान एचटी लाइन की चपेट में आने से गुलशन की मौत हो गयी। जानकारी पर पुलिस ने शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। गुरूवार को पीएम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजन व ग्रामीण आक्रोशित हो गये। आक्रोशित परिजनों ने टेण्ट संचालक के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग को लेकर गांव के समीप लखनऊ वाराणसी हाईवे पर जाम लगाने का प्रयास किया। हालांकि इस बीच लीलापुर थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय पहुंच गये और टेण्ट संचालक के खिलाफ केस दर्ज करने का आश्वासन देकर परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए तैयार किया। मृतक सगरा सुंदरपुर के एक स्कूल में कक्षा नौ का छात्र था और दो भाईयों में बड़ा था। पिता एक ईंट भटठे पर मजदूरी करता है। घटना के बाद मां शीला देवी का रो रो कर बुराहाल है। मामले में पिता गोरे लाल की तहरीर पर हण्डौर निवासी टेण्ट संचालक जाहिद अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। केस दर्ज होने पर परिजन शव को गांव मे ही अंतिम संस्कार के लिए देर शाम ले गये। लीलापुर एसओ मनोज पाण्डेय ने बताया कि आरोपी टेण्ट संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। नाराज परिजन जाम लगाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन पुलिस की कार्रवाई से जाम नही लगाया और अंतिम संस्कार गांव मे ही करने के लिए रवाना हो गये।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या के आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेलखरनाथ धाम। कंधई के गुतौली गांव में छह माह पूर्व दहेज के लिए पत्नी को प्रताड़ित करने तथा पत्नी की हत्या करने के एक आरोपित को कंधई थाने के उपनिरीक्षक रज्जन राव ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान बुधवार रात लगभग सवा दस बजे फोर्स के साथ घेराबंदी कर मीरनपुर स्थित नदी के पुल के पास से उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह कहीं भागने की फिराक में था।पकड़े गए आरोपित के पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा तथा कारतूस भी बरामद किया है,वह काफी समय से फरार चल रहा था,जिससे पुलिस ने पत्नी के हत्या के आरोपित पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।एसओ कंधई सतेन्द्र कुमार भदौरिया ने बताया कि पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या के आरोपित 25 हजार रुपए के इनामी गुतौली गांव निवासी वहाबुद्दीन को गिरफ्तार कर गुरुवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

पट्टी। अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत हो गई।पुलिस अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के तेलियानी गांव निवासी दुल्ला देवी यादव (55) पत्नी स्वर्गीय छोटे लाल यादव बुधवार की शाम अपने घर से थोड़ी दूर स्थित खेत देखने के लिए जा रही थी। तेलियानी नहर के आसपुर देवसरा संपर्क मार्ग पर घर से 50 मीटर दूर अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दुल्ला देवी की मौके पर मौत हो गई। टक्कर की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा तो दुल्ला देवी सड़क के किनारे मृत हालत में पड़ी थी। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से भाग निकला। मृतक के एक पुत्र ओमप्रकाश यादव व एक पुत्री प्रमिला है दोनों का विवाह हो चुका है। घटना की सूचना ओम प्रकाश ने आसपुर देवसरा पुलिस को दी। मौके पर पहुंची आसपुर देवसरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपुर देवसरा थाना अध्यक्ष विजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मिली तहरीर के आधार पर अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। देर शाम शव का इब्राहिमपुर घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने वृद्ध को रौंदा, मौत

पट्टी। आसपुर देवसरा इलाके के धनसार गांव निवासी पारस मिश्रा (65) पुत्र रामकरन को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने रौंद दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही आसपुर देवसरा पुलिस मौके पर पहुंची शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए गुरुवार की सुबह जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ भेज दिया। मृतक के 6 बेटियां हैं। जिनमें पांच की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी कामिनी 18 की शादी होना अभी बाकी है। वृद्ध की मौत से घर पर कोहराम मचा हुआ है। गांव के लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर चालक घटना को अंजाम देने के बाद इतनी तेज से ट्रैक्टर लेकर भाग की गांव के शेशी कल्लू आदि लोग भी बाल बाल बच गए। वहीं पुलिस ट्रैक्टर व चालक को हिरासत में लिया है। पीड़ित के प्रार्थना पत्र पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

घायल महिला की इलाज के दौरान मौत, परिजनों में कोहराम

पट्टी। इलाके के पृथ्वीगंज बंधवा मार्ग के हनुमान मंदिर के निकट महिला के साथ बाइक से जा रहा युवक नीलगाय से टकराकर बाइक सहित बीच सड़क पर गिर गया।इसमें महिला के साथ बाइक चलाने वाले युवक को भी गंभीर चोटें आई। उसे इलाज के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया। जहां पर महिला की सांसें थम गई।जौनपुर जनपद के बाभनपुर निवासी सुमित कुमार घर से बाइक पर 26 साल की शिल्पा पत्नी संतोष को लेकर किसी काम से जा रहे थे। जब वह बाइक लेकर पृथ्वीगंज के हनुमान मंदिर के निकट पहुंचे तो तेज रफ्तार बाइक से नीलगाय की टक्कर लगते ही बाइक सवार युवक महिला के साथ सड़क पर ही गिर गया। इसमें दोनों को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया। जहां पर इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल शिल्पा की सांसें थम गई। घटना की सूचना पर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। बाद में वह शव को वहां से अपने घर लेकर चले गए। बीते 19 नवंबर को पट्टी पृथ्वीगंज मार्ग पर बहुता गांव निवासी अब्दुल अहद 40 बाइक ओवरटेक के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए थे। स्वरूप रानी प्रयागराज में इलाज के दौरान उनकी भी सांसे थम गई है। पीएम के पश्चात शव घर पहुंचा तो परिजनों ने शव को सुपुर्द एखाक कर दिया।

चिकित्सकों ने शिविर में मरीजों की आंख का किया परीक्षण

प्रतापगढ़। रानीगंज कैथौला इलाके के मधुकरपुर गांव में गुरूवार को नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इसमें चिकित्सकों की टीम ने तीन सौ पन्द्रह मरीजों की आंखों का परीक्षण किया। इस दौरान पचीस मरीजों को चिन्हित किया गया। परीक्षण के बाद मरीजों को दवाईयां भी वितरित की गयी। शिविर में डा0 मल्लिकार्जुन, डा0 अनुज द्विवेदी, ग्राम प्रधान देवेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

टेण्ट व्यवसायी के लापता होने के मामले में पुलिस ने दर्ज किया गुमशुदगी का केस

लालगंज। टेण्ट व्यवसायी के भाई के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने के मामले में पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज किया है। पुलिस लापता की तलाश में जुटी हुई है। दूसरे दिन भी उसका कोई सुराग नही लग सका। रायबरेली जिले के गुरूबक्शगंज सोईठा निवासी संतोष कुमार जायसवाल टेण्ट व्यापारी हैं। बुधवार को उनका भाई सुशील जायसवाल टेण्ट बुकिंग के सिलसिले में लालगंज के भटनी इलाके में आया हुआ था। इसके बाद वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। सूचना पर पुलिस ने लापता सुशील की कार व मोबाइल फोन संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के बाभन की बखरी के समीप बरामद किया। मामले में संतोष की तहरीर पर सुशील की गुमशुदगी का केस दर्ज किया गया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है लेकिन दूसरे दिन भी कोई सुराग नही मिल सका। संग्रामगढ़ थानाध्यक्ष मनोज तोमर ने बताया कि गुमशुदगी का केस दर्ज किया गया है। पुलिस की टीम उसकी तलाश में जुटी हुई है, शीघ्र ही बरामद कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

खातेमें गया पैसा देने से कर रहा इनकार, शिकायत

पट्टी। तहसील क्षेत्र के कंधई थाना अंतर्गत धर्मपुर गांव निवासी अमित कुमार का आरोप है कि उनके बिना ट्रांजैक्शन के ही सुरेश बहादुर सिंह नाम के व्यक्ति के खाते में बीते 31 अक्टूबर 2025 को 14337 रुपए चले गए, बैंक द्वारा उनका मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया गया तो उन्होंने उनसे फोन पर बात की। पहले तो वह सुरेश बहादुर सिंह एक-दो दिन में पैसा देने की बात करते रहे और आज-कल का बहाना कहते रहे पर अब पैसा देने से ही इंकार कर रहे हैं।पीड़ित ने बुधवार को दोपहर में पट्टी थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

मजदूरी करने गये अधेड़ की डम्पर की चपेट में आने से गई जान

प्रतापगढ़। उदयपुर इलाके में मजदूरी करने गये मजदूर की डम्पर की चपेट में आने से मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजकर जांच में जुटी है। उदयपुर थाना क्षेत्र के आमीशंकर गांव निवासी छप्पन वर्षीय बाबूलाल यादव गांव के ही राजेश मिश्र के घर मजदूरी करने गये थे। गुरूवार को वह राजेश के घर के सामने मिटटी समतल कर रहा था। इसी दौरान मिटटी लादकर आये डम्पर की चपेट में आने से मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। आननफानन में उसे सांगीपुर सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। उदयपुर के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि शव का पीएम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता अभियान चलाकर एनसीसी कैडेट्स ने की साफ-सफाई

पट्टी। नगर स्थित रामराज इंटरमीडिएट कॉलेज में एनसीसी साप्ताहिक दिवस के तत्वाधान में एनसीसी कैडेट्स द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। एनसीसी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य को सलामी दी। विद्यालय प्रांगण में साफ सफाई किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि हमें समाज में उन सभी बुरे कारणो को समाप्त करने की आवश्यकता है जो हमारे देश की वृद्धि और विकास में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। मेरा मानना है कि स्वच्छता अभियान समाज से सामाजिक समस्याओं को दूर करने के साथ-साथ नागरिकों के व्यक्तिगत विकास के साथ देश के विकास को बढ़ावा देने में सहयोग प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट सुरेश मिश्र, प्रभारी नीलाभ मिश्र, राजेश दुबे, हरिशचंद्र मिश्र, स्काउट शिक्षक अरुण तिवारी, प्रमोद दुबे, प्रकाश दत्त मिश्र, नागेंद्र सिंह, वेद प्रकाश उपाध्याय सहित सभी शिक्षक शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम को लेकर सीडीओ ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत दिनांक 30 नवम्बर एवं 04 दिसम्बर को राजकीय इण्टर कालेज ग्राउण्ड प्रतापगढ़ में आयोजित कार्यक्रम को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से कराये जाने हेतु बैठक विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में बताया गया कि विवाह कार्यक्रम में दिनांक 30.11.2025 को 360 जोड़ें एवं दिनांक 04.12.2025 को 362 जोडो. का विवाह होना प्रस्तावित है। सीडीओ ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु नामित नोडलध्सेक्टर अधिकारियों को अलग-अलग दिये गये दायित्वों यथा-साफ-सफाई, मोबाइल शौचालय, पानी, यातायात, सुरक्षा आदि की व्यवस्था के सम्बन्ध में सौंपे कार्यो एवं दायित्वों का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया, जिससे निर्धारित तिथि को जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का सफलतापूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न हो सके। सीडीओ ने निर्देशित किया कि जिन अधिकारियों को जो भी दायित्व सौपे गये है उसका शत प्रतिशत निर्वहन करें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरते। बैठक में जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए0, प्रतिनिधि अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात निरीक्षक), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उपायुक्त जिला उद्योग केन्द्र, उपायुक्त मनरेगा, जिला पूर्ति अधिकारी, सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशाषी अधिकारी नगर पालिकाध्नगर पंचायत एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी उपस्थित रहे।

भण्डारे में उमड़े श्रद्धालु, ग्रहण किया प्रसाद

प्रतापगढ़। श्रीमदभागवत कथा को लेकर बुधवार को नगर पंचायत के दीवानी वार्ड में हुए भण्डारे में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी दिखी। भण्डारे में शामिल श्रद्धालुओं को भगवान के सुमधुर भजनों को सुनकर भक्तिभाव में देखा गया। भण्डारे में नगर के लोगों के साथ व्यापारियों ने भी भगवान का प्रसाद ग्रहण किया। भण्डारे मे क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी व मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल शामिल हुए। भण्डारे का संयोजन गया प्रसाद तिवारी व ओमप्रकाश तिवारी तथा दिनेश तिवारी ने किया। इस मौके पर जमुना प्रसाद तिवारी, अनिल महेश, गिरीश मिश्र, आचार्य दिवाकरनाथ शुक्ल, रामेश्वर प्रसाद तिवारी, राजेश तिवारी, रवीन्द्र मिश्र, राजेश दुबे, विंध्येश्वरी दुबे, रमाशंकर तिवारी, आचार्य विनोद मिश्र, हरेकृष्ण तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी झुन्ना, दीपक तिवारी, सोनू शुक्ला, कैलाश त्रिपाठी आदि रहे।

अधिकारियों ने रेलवे पुल निर्माण के लिए किया निरीक्षण

● नगर वासियों को गुमराह कर अंडर पास पुल बनवाने का भरोसा देते रहे अधिकारी लेकिन कहां से बनेगा अंडरपास पुल बताने में असमर्थ रहे अधिकारी

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। भरवारी रेलवे क्रॉसिंग पर अंडर ग्राउंड पुल और ओवर ब्रिज निर्माण के निरीक्षण के लिए पहुंचे रेलवे के अधिकारी असमंजस की स्थिति में दिखाई पड़े हैं कई बार निरीक्षण करने के बाद भी रेलवे के अधिकारी यह नहीं निश्चित कर सके हैं कि भरवारी रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से निजात के लिए ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाएगा या अंडरग्राउंड पुल का निर्माण कराया जाएगा जाम और असुविधा की वर्षों पुरानी समस्या को दूर करने के लिए गुरुवार को एक बार फिर रेलवे प्रशासन हरकत में आया।एनसीआर प्रयागराज मंडल के मंडल रेल महा प्रबंधक नरेश पाल सिंह मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल सहायक मंडल रेलप्रबंधक नवीन प्रकाश ने इंजीनियरिंग टीम के साथ भरवारी रेलवे क्रॉसिंग एवं आसपास के क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण किया लेकिन निरीक्षण के बाद हर बार की तरह इस बार भी नतीजा शून्य रहा। निरीक्षण के दौरान ओवर ब्रिज निर्माण और अंडरग्राउंड पुल के निर्माण से जुड़ी तकनीकी आवश्यकताओं स्कूल परिसर बस स्टॉप और मुख्य मार्गों की स्थिति का बारीकी से मूल्यांकन किया जाम की समस्या से निपटने के लिए रेलवे के अधिकारी अब तक दर्जनों बार निरीक्षण कर चुके हैं परंतु हर बार कभी क्रासिंग पर तो कभी पानी टंकी पर कभी जिला पंचायत की जमीन पर पुल निर्माण की बात करते हैं परंतु आज तक पुल कहां से बनेगा और कौन सा पुल बनेगा इसका जवाब रेलवे के किसी अधिकारी के पास नहीं है भरवारी में अंडरग्राउंड पुल या ओवर ब्रिज पुल के निर्माण के मामले को लेकर दर्जनों बार रेलवे के अधिकारियों के निरीक्षण करने के बाद किसी निष्कर्ष में न पहुंचने से यही लगता है कि रेलवे के अधिकारी भरवारी की जनता के साथ केवल ड्रामेबाजी करने तक सीमित रह गए हैं और इस ड्रामे बाजी के चलते गुरुवार को फिर भरवारी में पुल निर्माण को लेकर के रेलवे के मंडल महाप्रबंधक अपनी टीम के साथ पहुंचे हैं और घंटों तक निरीक्षण किया लेकिन किसी निश्चित स्थिति में नहीं पहुंचे हैं जब लोगों ने उनसे सवाल किया कि अंडर पास पुल बनना है पानी टंकी जिला पंचायत की जमीन या फिर रेलवे क्रॉसिंग पर तो मुख्य मार्ग से हटकर वहां का निरीक्षण करने का क्या मतलब हुआ जब मंडल रेल प्रबंधक पानी टंकी पर पहुंचे तो वहां के लोगों ने कहा कि यह कॉलोनी है यहां से कोई अंडरपास पुल नहीं बनने दिया जाएगा पूरा मोहल्ला की बस्ती उजड़ जाएगी और लोग बेघर हो जाएंगे इस संबंध में जब मंडल रेल महाप्रबंधक रजनीश अग्रवाल से अखंड भारत संदेश समाचार पत्र के पत्रकार राजू सक्सेना ने जानकारी ली तब उन्होंने कहा कि अंडर पास बनेगा कहां से बनेगा यह बताना उन्होंने अभी तक उचित नहीं समझा है अधिकारियों के मतिभ्रम के चलते जनता भी परेशान है कि आखिर पुल का निर्माण कब होगा या केवल रेलवे के अधिकारी अंडरपास पुल और ओवर ब्रिज के निर्माण के निरीक्षण कर नगर की जनता को गुमराह करके इसी तरह कस्बे में पिकनिक मनाने आते जाते रहेंगे।

मंडल रेल महाप्रबंधक को देख स्टेशन अधीक्षक के चेहरे पर उड़ने लगी हवाइयां

भरवारी कौशाम्बी। मंडल रेल महाप्रबंधक प्रयागराज गुरुवार को भरवारी रेलवे स्टेशन पहुंचे और उन्होंने रेलवे फाटक पर बनने वाले पुल के संबंध में निरीक्षण किया जांच पड़ताल किया लोगों से वार्ता किया लेकिन किसी भी नतीजे पर वह नहीं पहुंचे की अंडरग्राउंड पुल बनेगा कि ओवर ब्रिज बनना है जिससे लोगों को निराशा दिखाई पड़ी है इसी के साथ उन्होंने भरवारी स्टेशन पर यात्रियों के सुविधाओं का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लेटफार्म पर लगे पीने के पानी के नल और सुलभ कॉम्प्लेक्स की जमीनी हकीकत देखी सुलभ कॉम्प्लेक्स और पीने के नल के पास गंदगी देखी गई है इस बीच स्टेशन अधीक्षक की परेशानी बढ़ती दिखाई पड़ी इस बीच रेलवे के सभी कर्मचारी अपने यूनिफार्म में मुस्तादी से दिखे जैसा कि हमेशा उच्च अधिकारी के आने पर दिखाई देता है वहीं रेलवे क्रासिंग पर भी चप्पे चप्पे पर आरपीएफ के जवान एवं रेलवे कर्मचारी जाम को नियंत्रित करते देखे गए वहीं जब तक अधिकारी लोग स्टेशन पर रहे स्टेशन अधीक्षक के चेहरे पर मायूसी छाई रही मंडल रेल महाप्रबंधक के निरीक्षण के दौरान वर्दी में रहने वाले स्टेशन अधीक्षक और कर्मचारी उनके जाने के बाद बिना वर्दी की ड्यूटी करते हैं और भरवारी स्टेशन पर गंदगी का साम्राज्य होता है।

जिलाधिकारी ने की डिजिटलीकरण किए गए गणना प्रपत्रों की प्रगति की समीक्षा

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही पर 28 बी.एल.ओ. के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश

कौशाम्बी। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ.प्र. लखनऊ द्वारा नियत कार्यक्रम के अनुसार विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से सम्बन्धित दिनांक 04.11.2025 से 04.12.2025 तक की अवधि में बूथ लेविल अधिकारियों द्वारा गणना प्रपत्रों के वितरण एकत्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ अमित पाल ने डिजिटलीकरण किए गए गणना प्रपत्रों की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा में 251-सिराथू के 04, 252-मंझनपुर के 19 (बूथ नं. 6 के बी.एल.ओ. राधेश्याम एवं बूथ नं. 432 के बी.एल.ओ. संतोष कुमार गुप्ता आदि) तथा 253-चायल के 05 बूथ लेविल अधिकारियों द्वारा 10 प्रतिशत से कम डिजिटलीकरण किये गये गणना प्रपत्रों की प्रगति के कारण सम्बन्धित बी.एल.ओ. के खिलाफ निर्वाचन आयोग के सुसंगत धाराओ के अन्तर्गत वैधानिक कठोर कार्यवाही के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया एवं यह भी निर्देश दिए गए है कि पुनरीक्षण के कार्य में जिस बी.एल.ओ. के द्वारा लापरवाही की जायेगी, उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

रोजगार मेले का आयोजन 29 नवम्बर को

कौशाम्बी जनपद के शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सेवायोजन कार्यालय, कौशाम्बी के माध्यम से राजकीय आई.टी.आई., मंझनपुर/सिराथू एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय आई.टी.आई.मंझनपुर के परिसर में दिनांक 29 नवम्बर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियों के माध्यम से चयन की कार्यवाही की जायेगी। इस रोजगार मेले में न्यूनतम हाईस्कूल उत्तीर्ण, आई.टी.आई., डिप्लोमा प्राप्त सभी प्रकार के (टेक्निकल एवं नॉन टेक्निकल) अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है। रोजगार मेले में विभागीय स्टॉल पर पंजीयन की भी व्यवस्था की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति के साथ प्रातः 10.30 बजे प्रतिभाग कर सकते हैं।

कौशांबी के मजदूर की सड़क हादसे में प्रतापगढ़ में मौत

कड़ा कौशाम्बी प्रतापगढ़ जनपद के मानिकपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से धान काटने गए कौशांबी के युवक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार मृतक युवक राजेंद्र सैनी थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव का निवासी था राजेंद्र मानिकपुर थाना क्षेत्र में धान काटने के काम से गया हुआ था हादसा उस समय हुआ जब वह मानिकपुर थाना क्षेत्र के रेवाड़ी मोड़ के पास था। एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक राजेंद्र की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया स्थानीय लोगों की सूचना पर मानिकपुर थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ग्रामीणों ने अंडर पास बंद करने का किया विरोध, स्टेशन मास्टर को दिया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

ग्राम प्रधान, इंटर कालेज के जिम्मेदारों ने डिविजनल रेलवे मैनेजर से लगाई गुहार

अझुवा कौशाम्बी सिराथू तहसील के ग्राम सभा माढो के सामने दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर अथ सराय रेलवे स्टेशन के पूर्व अंडर पास है इस अंडर पास से ग्राम सभा हिशाम पुर माढो ,भडहरी राजा तारा,इटैलिपुर सहित 2 दर्जन गांव के ग्रामीण, एवं संत नागा निरंकारी पथिक इंटर कालेज के विद्यार्थियों के आवागमन का एकमात्र रास्ता है जिसे रेलवे विभाग बाउंड्री खड़ी कर बंद करवा रहा है ।बाउंड्री करवाने की सूचना से संतनागा निरंकारी पथिक इंटर कॉलेज के जिम्मेदारों और हिशामपुर माढो गांव के ग्रामीण प्रधान के साथ बंद किए जा रहे अंडर पास का विरोध कर रेलवे स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा है ।ग्रामीणों ने अथसराय रेलवे स्टेशन के पूर्व स्थित अंडर पास को बंद करने की स्थिति में बताया माढो गांव में प्राइमरी विद्यालय है जिसमें बनियन के पुरवा सहित कई मजरों के छोटे बच्चे पढ़ने जाते हैं वहीं रेलवे ट्रैक के दूसरी तरफ संत निरंकारी पथिक इंटर कॉलेज है जहां दूर दराज के विद्यार्थी अध्यन को आते हैं यदि यह अंडर पास बंद हो गया तो विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे बड़े बच्चों के जीवन से खिलवाड़ होगा इन विद्यार्थियों को 10 किमी का चक्कर लगाकर विद्यालय पहुंचना होगा ,ग्रामीणों ने कहा बीमार होने की अवस्था में नजदीकी अझुवा कस्बे में पहुंचने में भी 10 से 12 किमी चक्कर लगाकर उपचार करवाने जाना पड़ेगा ,इस दरम्यान बीमार व्यक्ति की असमय मौत भी हो सकती है।

न्यूज झरोखा

सशक्त भारत बनाने के योगदान में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी। भारतीय जनता पार्टी के नेवादा मण्डल युवा मोर्चा का आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान सम्मेलन तिलहापुर मोड़ में बुधवार को आयोजित हुआ आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान सम्मेलन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष भाजपा धर्मराज मौर्या रहे जिन्हें माला पहनकर लोगों ने स्वागत किया विशिष्ठ अतिथि भोले शंकर मण्डल अध्यक्ष नेवादा विवेक शुक्ला सहित तमाम नेता कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे मुख्य अतिथि धर्मराज मौर्या ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेते हुए युवाओं को सशक्त भारत बनाने के योगदान पर जिक्र किया उन्होंने कहा कि सशक्त भारत बनाने के योगदान में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जवान चलता है की पंक्तियां पढ़ कर उन्होंने युवाओं में जोश भर दिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अंकित गुप्ता उर्फ मोनू को मण्डल नेवादा का युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाने की घोषणा की गई अंकित गुप्ता उर्फ मोनू को नेवादा मंडल के युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाने की घोषणा होने पर लोगों ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया है कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि अंकित गुप्ता तेज तर्रार और युवाओं के प्रिय व्यापार मण्डल जन उद्योग के पदाधिकारी भी है कार्यक्रम में बाजार के व्यापारियों ने भारी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीएम ने की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियो के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी शालिनी प्रभाकर ने कहा कि अंतिम विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2003 के निर्वाचकों के नाम या उनके रिश्तेदारों के नाम अखिल भारतीय डेटाबेस में देख सकते है एवं बी.एल.ओ. के पास उपलब्ध वर्ष 2003 की मतदाता सूची से सम्बंधित मतदाता अपना नाम देखकर गणना प्रपत्र पर नियत कालम में भरेंगे, जिसमे बी.एल.ए. द्वारा गणना प्रपत्र भरवाने में सहयोग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मृत स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत निर्वाचकों की पहचान बी.एल.ओ द्वारा किया गया है गणना के प्रथम चरण के दौरान गणना प्रपत्र के अलावा अन्य कोई अभिलेख एकत्र नहीं किया जायेगा ।जिलाधिकारी ने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बी.एल.ए.) भी निर्वाचकों से विधिवत भरे हुए गणना प्रपत्र (अधिकतम 50 गणना प्रपत्र प्रतिदिन) एकत्र कर बूथ लेवल अधिकारियों को जमा कराने में सहयोग कर सकते है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने पर बीएलओ हुए सम्मानित

कौशांबी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ.अमित पाल ने अर्हता दिनांक 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (रक्फ़) कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ लेबिल अधिकारी के रूप में सूर्य प्रकाश तिवारी (सहायक अध्यापक) द्वारा बूथ संख्या 380 प्रा.वि. केशवापुर, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 251-सिराथू एवं आदित्य कुमार सरोज (सहायक अध्यापक) द्वारा बूथ संख्या 157 उच्च प्रा.वि. मागरी आमद हथगाम, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 251-सिराथू तथा आनन्द प्रताप सिंह (सहायक अध्यापक) द्वारा बूथ संख्या 318 प्रा.वि. डेबरामई,विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 251-सिराथू में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिए जाने पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

बाइक को टक्कर मारने के बाद नहर में गिरी पिकअप तीन घायल

कड़ा कौशांबी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सम्भुई गांव के पास पिकअप चालक बाइक में टक्कर मारने के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर पुलिया तोड़ते हुए नहर में पलट गई दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए हैं घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के काजू गांव का रवि पुत्र दयाशंकर पिकअप चालक है। गुरुवार की शाम वह पिकअप में बिजली विभाग का सामान लादकर कड़ा धाम की ओर गया था। कड़ा क्षेत्र के संभुई मोड़ स्थित नहर के पास अचानक सामने बाइक सवार बेटू सिंह पुत्र उत्तम सिंह निवासी गनपा थाना सैनी आ गया ।उसकी बाइक में टक्कर मारने के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर पुलिया तोड़ते हुए नहर में पलट गई। हादसे में बाइक सवार बेटू सिंह व पिकअप चालक रवि के साथ उस पर सवार मनीष कुमार निवासी राम नगर कस्बा चायल भी घायल हुए हैं दुर्घटना की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर तीनों घायलों को सिराथू सीएचसी में भर्ती करा दिया ।उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

चार पहिया गाड़ी ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर आठ सवारी घायल

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के बूंदाझबरेठी के बीच गुरुवार शाम 7 बजे बड़ा हादसा हुआ है चार पहिया वाहन ने सवारियों से भरी ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे ई रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त हो गया इस हादसे में ई-रिक्शा में बैठे 8 सवारी कलावती, प्रीति, जग्गी, रोशनलाल, उर्मिला, भूगिया, आशा सभी निवासी वार्ड-3 गांधी नगर चायल थाना पिपरी घायल हो गए जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जाती है सभी लोग सेहुणा गांव मजार से दर्शन कर वापस चायल लौट रहे थे ।टक्कर के बाद चारपहिया वाहन घायल लोगों को अस्पताल के पास छोड़कर फरार हो गया है बताया जाता है कि चार पहिया वाहन के ड्राइवर ने ई रिक्शा की सवारियों के साथ मारपीट भी की है।

एसआईआर से हो रही है आम जन मानस को समस्या : राजेश तिवारी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। भरवारी नगर पालिका में एसआई आर को लेकर आम जनमानस के साथ उनकी समस्या को सुना गया एवं एसआई आर से हो रही दिक्कतों को जल्दी ही कांग्रेस का एक डेलिगेशन कौशांबी के जिला अधिकारी से वार्ता करेगा इस मौके पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रयागराज जोन के प्रभारी राजेश तिवारी ने कहा की मतदाता सूची की जो समीक्षा हो रही है उससे जनता को बड़ी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है जो भी बीएलओ नियुक्त किए गए हैं उनके पास किसी प्रकार का कोई ज्ञान नहीं है ना ही उनको फिर को लेकर किसी प्रकार की कोई प्रशिक्षण दिया गया है ! इस मौके पर पूर्व विधायक विजय प्रकाश ने कहा कि फिर तो केवल एक बहाना है वोट चोरी के लिए दलित और अल्पसंख्यक और पिछड़ा का वोट काटकर भाजपा तुष्टिकरण की राजनीति करना चाहती है जिसको कांग्रेस पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता बर्दाश नहीं करेगा जनता रोज नई-नई समस्याओं से जूझ रही है और सरकार और सत्ता के लोग कुंभकरण की नींद में सो रहे हैं। कौशांबी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा मतदाता सूची का जो उदाहरण निरीक्षण हो रहा है ! उसे 2003 का जो रिकॉर्ड मांगा जा रहा है उससे आम जनमानस को बड़ी समस्या हो रही है फार्म 7 और 8 का कोई प्रयोग किसी भी इछड के पास नहीं है जनता समस्याओं का निदान चाहती है लेकिन सरकार और सत्ता में बैठे लोग केवल और केवल जनता को परेशान करना ही समझती है !जिला उपाध्यक्ष अकरम जका ने कहा एसआई आर से अल्पसंख्यकों का वोट काटा जा रहा है !जिसकी हम निंदा करते हैं और सरकार की इतनी तुच्छ मानसिकता इसका पुरजोर विरोध करते हैं जनता की समस्या को लेकर कौशांबी कांग्रेस के कार्यकर्ता जल्द ही जिला अधिकारी से वार्ता करेगा। इस मौके पर जिला संयोजक राजेश साहनी रामबहादुर त्रिपाठी, श्याम मूर्ति तिवारी खुर्शीद अनवार मोहम्मद अकरम अलकमा उस्मानी, ज़िला उपाध्यक्ष मीनू मिश्रा, राजेंद्र त्रिपाठी अमित द्विवेदी आजाद, हेमंत रावत, जमशेद अहमद, कैशलेश द्विवेदी, कुलदीप शुक्ला, शशि त्रिपाठी, रामप्रकाश पांडा, राम सूरत रैदास, नूरूत जमा शिवलेश मिश्रा, राज नारायण पासी, आसिफ अल्वी, अमित द्विवेदी आजाद सन्तोष शुक्ला, विजय यादव, राज नारायण पासी,शकील अब्बास, महिला अध्यक्ष रजिया बेगम, मनोज पटेल फौजिया सैय्यद, मोहम्मद शाहरुख, समर कोइलहा, विक्की पाण्डेय, मोहम्मद अफकार, मोहम्मद शरिक, तबरेज अहमद, वजीर,अर्श खुर्शीद, मोहम्मद नोमान, रावेंद्र यादव,मन्नी लाल,सचिन पाण्डेय मोहम्मद आरिज ,मोहम्मद अब्बान नुरूत जमा, फुज्जू मेदवाड़ा अफकार अहमद तबरेज अहमद मोहम्मद सकील भैया जिम, प्रदीप प्रधान सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय मे अंगदान जागरूकता सेमीनार का आयोजन

कौशाम्बी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कौशाम्बी मे अंगदान जागरूकता सेमीनार का आयोजन 27 नवम्बर को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती पूर्णिमा प्रान्जल अपर जिला न्यायाधीश कौशाम्बी ने प्रतिभाग किया। प्रधानाचार्य प्रो0(डा0) हरिओम कुमार सिंह, द्वारा बताया गया कि अंगदान महादान है और अंगदान में भारत तीसरे स्थान पर है परन्तु जनसंख्या के अनुपात में दान का दर मात्र 0.65 प्रति लाख है जबकि विश्व में 30 से 40 प्रतिशत है। इसके बाद एनाटामी विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 राकेश कुमार शुक्ला द्वारा बताया गया कि देश व प्रदेश में नोटो (राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन) द्वारा अंगदान करने हेतु कैसे शपथ ली जाती है और अंगदान से सम्बन्घित चिकित्सकीय प्रक्रिया की जानकारी दी, तथा अंगदान हेतु टोलफ्री नम्बर 1800114770 आम जनमानस के लिए है। श्रीमती पूर्णिमा प्रान्जल अपर जिला न्यायाधीश कौशाम्बी ने अंगदान से सम्बन्धित विधिक प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की ।स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में देहदान एवं रक्तदान अभियान पूर्व से समय समय पर सफलता पूर्वक आयोजित हो रहे है ।उक्त कार्यक्रम में डा0 सुनील कुमार शुक्ल मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डा0 हिन्दमणि उपमुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 सौरभ कृष्ण मिश्रा उपप्रधानाचार्य, डा0 तेज बहादुर मौर्या, डा0 सरस्वती जाएसवाल यादव, डा0 अरिन्दम चक्रवर्ती, डा0 रविरंजन सिंह, डा0 अंकित तिवारी, डा0 सन्दीप कुमार, डा0 आत्मिक सिंह, डा0 अरूण कुमार पाण्डेय, एवं अन्य चिकित्सक तथा अन्य चिकित्सालय के अन्य स्टाफ व आम जनमानस उपस्थित रहें।

शिया सुन्नी वक्फ बोर्ड में पंजीकृत समस्त वक्फ सम्पत्तियों को 05 दिसम्बर तक उम्मीद पोर्टल पर कराये अपलोड

कौशाम्बी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शालिनी रंजन ने बताया है कि शिया सुन्नी वक्फ बोर्ड लखनऊ में पंजीकृत समस्त वक्फ सम्पत्तियों को दिनांक 05.12.2025 तक एकीकृत वक्फ प्रबन्धक, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम 1995 के अन्तर्गत उम्मीद पोर्टल की वेबसाइट पर अपलोड किया जाना है। जनपद कौशाम्बी के समस्त वक्फ सम्पत्तियों के मुतवल्लियों वक्फ प्रबन्धन को उन्होंने सूचित किया है कि अनिवार्य रूप से अपने वक्फ का पंजीकीरण उम्मीद पोर्टल की वेबसाइट पर दिनांक 05.12.2025 तक पंजीकृत फीड़ कराये। उन्होने बताया कि उ0प्र0 शिया सेण्ट्रल वक्फ बोर्ड, लखनऊ की उम्मीद पोर्टल हेल्प के लिए ई-मेल पर मुतवल्ली मेकर अपने आधार कार्ड की कॉपी लगाकर फीडिंग के लिये आवश्यक अभिलेख यथा वक्फ नामा वक्फ डीड, तौलियत का आदेश बोर्ड का कोई अन्तरिम आदेश, मुकदमा तसम्बन्धी जानकारी, धारा-37 सम्बन्धी सूचना आदि की मांग करेंगे। समस्त प्रपत्र निःशुल्क उम्मीद पोर्टल की मोहर सहित सम्बन्धित बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे। उम्मीद पोर्टल पर फीडिंग करते समय यदि कोई कठिनाई आती है, तो उसके समाधान के लिए एम०एम० शकील अब्बास वैयक्तिक सहायक मास्टर ट्रेनर 9935190711, राहिब अली अवर वर्ग सहायक/मास्टर ट्रेनर 8756637860, आकाश वर्मा कम्प्यूटर प्रोग्रामर 9580120821,यहियाहु सैन 7459917868, शौजब अब्बास 9506677907, एजाज अहमद अधिशासी अधिकारी 9795742635, एस०एम०अफजल काशिफ कार्यालय अधीक्षक 9450627158, मुजाहिद हुसैन निरीक्षक सह अंकेक्षक 8299363648, अहमद मुबीन किदवई निरीक्षक सहअकेक्षक 8299449768, अशहर सिददीकी निरीक्षक 8081079944 तथा हेल्प लाईन नम्बर 0522-3132567 पर सम्पर्क कर सकते है।

विवाहिता की हत्या कर आरोपी पहुंचा थाने

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के ऊनौ ग्राम सभा में बृहस्पतिवार की सुबह 8:00 बजे एक विवाहिता को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया है गोली मारने के बाद युवक तमंचा के साथ मंझनपुर कोतवाली पहुंचा पुलिस के सामने हत्या का जुर्म कबूल कर लिया है पुलिस ने युवक को अपने हिरासत में ले लिया है और घटना स्थल पर पहुंचकर मृतक विवाहित के शव को कब्जे में लेकर पोस्टपार्टम के लिए भेज दिया है मृतक विवाहिता दीपिका तिवारी उम्र 24 वर्ष पुत्री राम मोहन पांडे निवासी ऊनौ की तीन वर्षों पहले शादी हो चुकी थी कुछ दिन पहले वह अपने मायके ऊनौ वापस आई थी जहां उसे गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया गया है गोली मारने वाला उसका रिश्तेदार बताया जाता है

नाबालिग बच्चे के साथ कुकर्म करने वाला अभियुक्त 10 वर्ष कठोर कारावास व 20,000 रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित

कौशांबी सराय अकिल थाना क्षेत्र में 3 अगस्त 2023 को नाबालिग बच्चे के साथ अभियुक्त द्वारा जबरन अप्राकृतिक सम्बन्ध बनाया गया है थाना पर मु0अ0सं0 309/2023 धारा 377 भादवि व 06 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत हुआ जिसमें विवेचना के उपरान्त आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल हुआ जिससे सम्बन्धित अभियुक्त सुभम ओझा उर्फ बुब्बू पुत्र शिव शंकर ओझा निवासी बुद्धपुरी थाना सराय अकिल को दिनांक 27.11.2025 को न्यायालय स्पे0 जज पॉक्सो एक्ट जनपद कौशाम्बी द्वारा अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारावास तथा 20,000 रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

कौशाम्बी की पीएलवी ममता दिवाकर का प्रयागराज में शील्ड देकर किया सम्मान

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं महिला क्लब, माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के तत्वाधान में आयोजित विधिक सेवा एवं सामाजिक सहायता कार्यक्रम बाबा लाल प्रताप सिंह विधि महाविद्यालय मुंगारी, तहसील करछना, प्रयागराज में एटा की पीएलवी श्रीमती (डॉ.)रिचा यादव और कौशाम्बी की पीएलवी श्रीमती ममता दिवाकर को फील्ड देकर सम्मानित किया गया है। एटा की पीएलवी श्रीमती (डॉ.)रिचा यादव और कौशाम्बी की पीएलवी श्रीमती ममता दिवाकर द्वारा जिले भर के विभिन्न स्थानों पर व विद्यालयों में आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों, तहसील में स्थित विधिक सहायता क्लीनिक पर आने वालों की की गई मदद, क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों, जन-जागरूकता अभियानों, शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों को प्रवेश दिलाने, दिव्यांगों को सहायता दिलाने, बाल (बालिका) सुधार गृह में शिक्षणेत्तर गतिविधियों को सिखाने,केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित तमाम योजनाओं तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित करने, महिला सशक्तिकरण,बाल अधिकारों की रक्षा और घरेलू हिंसा के खिलाफ लगातार किए जा रहे प्रयासों एवं कार्यों के लिए महिला क्लब माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के सदस्यों के द्वारा डॉ. मनु कालिया सदस्य सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश लखनऊ दिनेश कुमार गौतम सचिव अपर जनपद न्यायाधीश,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज, सुरजन सिंह ओएसडी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश लखनऊ की गरिमामयी उपस्थिति में 'श्रेष्ठ पराविधिक स्वयं सेवक' शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले भर के विभिन्न विभागों द्वारा हेल्प डेस्क और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े शिविर का भी आयोजन किया गया, साथ ही महिला क्लब के द्वारा जरूरतमंदों को सहायता सामग्री भी प्रदान की गई। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी करछना, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज के पैनल लॉयर्स, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, परविधिक स्वयं सेवकगण (पीएलवीज) सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

भर गये सदियों के घाव, आस्था का हो रहा

आज अयोध्या की धरती पर एक ऐसा क्षण उत्पन्न हुआ जो केवल ईंट-पत्थर और वास्तुकला का नहीं, बल्कि पीढ़ियों की आस्था, अनवरत संकल्प और सामूहिक स्मृति का साक्षी बना। जब केसरिया धर्मध्वज गर्व से श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर लहरा उठा, तो वह केवल एक ध्वज नहीं था– वह सैकड़ों वर्ष के अरसे से बँधी हुई वेदना का, अटूट विश्वास का और उन अनगिनत लोगों के संघर्ष का प्रतीक बन गया जो इस पवित्र भूमि को पुनः उसकी गरिमा प्रदान करने के लिये अग्रसर थे। विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त पर, वैदिक मंत्रों की गूँज और ह्यजय श्रीरामह्न के उद्घोष के बीच जो आराधना हुई, वह व्यक्तिगत श्रद्धा से ऊपर उठकर राष्ट्र के सांस्कृतिक स्मरण का साझा अनुष्ठान बन गई। मंदिर के चारों ओर निर्मित परकोटे की शिल्पकला, मुख्य मंदिर की दीवारों पर उकेरे गए 87 प्रसंग और कॉपर-शिल्प की 79 समृद्ध झांकियाँ, यह सब केवल स्थापत्य कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि रामकथा के विविध आयामों का मूर्त रूप हैं जो हमारी परंपरा की बहुरंगी विविधता को दर्शाते हैं। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहा; यह उन अनेकों साधना-यात्रियों, संतों, पुरोहितों, शिल्पकारों, वास्तुकारों, अनुगामियों, श्रमिकों और दानदाताओं की कहानियों का संगम रहा जिनकी तपस्या और त्याग भारत के इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं। जिन लोगों ने वर्षों, दशकों तक अपनी ऊर्जा समर्पित की, वह आज जहां भी रहे हों, उनके मन में आज निश्चित रूप से आत्म-संतोष का भाव रहा होगा। साधु-संतों की भक्ति-भाषाएँ, श्रद्धालुओं की भीड़ और नगरवासियों की आतिथ्य-भावना ने भी यह प्रमाणित किया कि आस्था और सामूहिक विश्वास किस तरह किसी स्थान की आत्मा को पुनर्जीवित कर सकते हैं। नया ध्वजारोहण केवल अतीत का जश्न नहीं है; यह भविष्य की दिशा का संकेत भी है। आज की अयोध्या, जहाँ प्राचीन रामकथा और आधुनिक योजनाओं का अप्रत्याशित संगम दिख रहा है, वह इस बात का उदाहरण है कि विरासत और विकास साथ-साथ फल-फूल सकते हैं। महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डे से लेकर आधुनिकीकरण किए गए रेलवे टर्मिनलों, रामपथ और भक्ति-पथ तक, ये सब उस दृष्टि का हिस्सा हैं जो तीर्थ को वैश्विक रूप से सुलभ, सुरक्षित और आदर्श-आधारित बनाने की कल्पना करती है। इस पवित्र क्षण पर, हमें उन अनगिनत नामरहित कर्मयोगियों को भी याद करना चाहिए जिनका श्रम बिना किसी प्रचार-प्रसार के मंदिर निर्माण को साकार करने में सहायक रहा। वे श्रमिक जिनके हाथों ने पत्थरों को संवारा; वे शिल्पकार जिनकी कला ने कथानक को जीवन दिया; वे पुरोहित, संत और पंडित जिनके अनुष्ठानिक ज्ञान ने मार्ग दिखाया; और वे स्वयं सेवक व आयोजक जिनकी रात-दिन की मेहनत ने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की, इन सबका आभार केवल शब्दों में सीमित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही राम मंदिर आंदोलन के नेतृत्वकर्ताओं, भागीदारों तथा श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता के बिना आज के इस दिन की कल्पना करना संभव नहीं था।

भारत-कनाडा के रिश्तों में नई गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

-ललित गर्ग-

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पड़ी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है और दोनों देशों के बीच एक नए विश्वास, सहयोग और साझेदारी का वातावरण आकार ले रहा है। वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप, व्यापारिक हितों और तकनीकी साझेदारियों की बढ़ती जरूरतों ने दोनों देशों को पुनः संवाद और सहयोग की राह पर लौटने के लिए प्रेरित किया है। जून से शुरू हुआ यह सकारात्मक बदलाव अब व्यापक रूप में दिखाई देने लगा है, जिसका संकेत हाल ही में की गई द्विपक्षीय बैठकों, उच्चस्तरीय संपर्कों और आर्थिक सहयोग की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य एवं कनाड़ा द्वारा अब नागरिकता के बंद दरवाजे खोलने की घोषणा इस परिवर्तन की गहराई और व्यापकता को रेखांकित करती है। यह लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाने का संकल्प मात्र नहीं है बल्कि यह उस नये दौर की प्रतीकात्मक दस्तक है जिसकी ओर दोनों देश बढ़ रहे हैं और इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के रिश्तों में जिस तरह तनाव और अविश्वास ने जगह बनाई थी, वह दोनों देशों के लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-आधारित संबंधों के विपरीत था। खालिस्तान मुद्दे पर कनाडा में बढ़ती गतिविधियों, राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और न्यायिक प्रक्रियाओं ने दोनों देशों के रिश्तों में गहरी खटास पैदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच दूरी सार्वजनिक रूप से दिखाई देती थी और कूटनीतिक संवाद लगभग ठहर-सा गया था। जस्टिन ट्रूडो ने राजनीतिक दबाव एवं स्वार्थ के चलते भारत से ऐतिहासिक संबंधों को धुंधलाया, जिसका खामियाजा उन्होंने भुगता भी है। लेकिन अब नई सरकार के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नये जोश, आत्मीयता एवं संवेदनाओं के साथ भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों, व्यापारिक अवसरों के विस्तार और नई आर्थिक-रणनीतिक जरूरतों ने दोनों पक्षों को यह अहसास कराया कि रिश्तों का ठहराव किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं है। इसी समझ ने दोनों देशों को संवाद के नये पुल बनाने और पुराने अवरोधों को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाया।

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और कनाड़ा के पास डिफेंस, स्पेस, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और एजुकेशन समस्त कई क्षेत्रों में सहयोग एवं सहमति बढ़ाने के मौके हैं। यह सहमति केवल औपचारिकता नहीं बल्कि रिश्तों को एक नए मोड़ पर लाने का संकेत थी। कनाडा एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी शक्ति है और भारत विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं जिनकी दिशा अब खोली जा रही है। वैसे भी भारत के स्टूडेंट्स के लिये अब भी कनाड़ा सबसे पसंदीदा जगहों में एक हैं। कनाडा अपने नागरिकता कानून में भी बदलाव करने जा रहा है, उससे भी भारतीयों को फायदा होने की व्यापक संभावनाएं है। पीयूष गोयल के वक्तव्य में

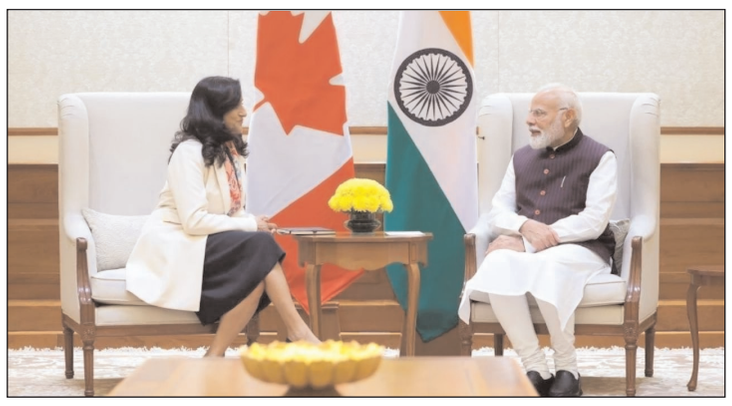

दिखती आर्थिक साझेदारी की दृष्टि इस बात का परिचायक है कि भारत और कनाडा अब केवल राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग के नए आधार बना रहे हैं। 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह उन आर्थिक संभावनाओं का वास्तविक अनुमान भी है जो दोनों देशों की नीतियों, संसाधनों और क्षमताओं में मौजूद है। भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।

हाल के वर्षों में दुनिया बहुध्रूवीय स्वरूप की ओर बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और पश्चिम एशिया जैसे शक्ति केंद्रों के बीच उभर रही नई अनिश्चितताओं ने मध्यम और उभरती शक्तियों को नए साझेदार तलाशने के लिए विवश किया है। भारत और कनाडा इस वैश्विक संरचना में ऐसे दो देश हैं जिनके पास जनसांख्यिकीय शक्ति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा-तकनीक की क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा आधार मौजूद है। ऐसे में इन दोनों का साथ आना न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आवश्यक है बल्कि एक नई वैश्विक संरचना के निर्माण में भी उपयोगी हो सकता है। यह संरचना सहयोग, नवाचार, जलवायु न्याय, हरित तकनीकों और स्थायी विकास पर आधारित हो सकती है। कनाडा में भारतीय मूल की बड़ी आबादी दोनों देशों के रिश्तों को मानवीय और सामाजिक आधार भी देती है। जब भी रिश्तों में तनाव आया, प्रवासी भारतीय समुदाय उसके बीच पुल की तरह खड़ा दिखाई दिया है। यही समुदाय आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक रिश्तों को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यह समुदाय न केवल कनाडा के आर्थिक विकास का हिस्सा है बल्कि भारत-कनाडा संबंधों की गहरी कड़ी भी है। यही कारण है कि दोनों सरकारों ने इस सामाजिक संबंध को और मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है जिससे गलतफहमियाँ कम हों, लोगों के बीच भरोसा बढ़े और राजनीतिक विवादों का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर सीमित रहे। वर्तमान दौर में भारत की वैश्विक छवि एक निर्णायक, प्रभावशाली और विश्व-हितैषी शक्ति के रूप में उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली, वैश्विक मंचों पर सक्रियता और विकास-शांति आधारित विदेश नीति ने भारत की स्थिति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। दूसरी ओर कनाडा भी एक स्थिर लोकतंत्र और बहुसांस्कृतिक देश के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। दोनों देशों की यह समान सोच और नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अब आपसी सहयोग के लिए अधिक अनुकूल अवसर पैदा कर रहा है। समीक्षा के इस चरण में यह स्पष्ट है कि भारत-कनाडा संबंधों में आया यह सकारात्मक मोड़ केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि गहरे आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक हितों पर आधारित है। मार्क कार्नी सरकार को भी यह समझ आ रही है कि भारत जैसे मजबूत साझेदार से दूरी कनाडा की आर्थिक और वैश्विक भूमिका के लिए सही नहीं। वहीं भारत भी उन देशों के साथ संबंधों का विस्तार चाहता है जो तकनीक, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्रों में मूल्यवान साझेदारी दे सकते हैं। यही वजह है कि दोनों देश अब नयी समझ विकसित करते हुए एक ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें संवाद, सहयोग और परस्पर सम्मान केंद्रीय भूमिका निभाएंगे। अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में शुरू हुई यह नई गर्माहट एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह बदलाव न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक शांति, नई तकनीक, हरित विकास और सामाजिक सौहार्द की दिशा में भी नई संभावनाएँ खोलेगा। दोनों देश यदि इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते रहे तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती नहीं देगा, बल्कि एक नई विश्व संरचना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संविधान दिवस पर विशेषः संविधान में लिखे शब्द नहीं, उसके भाव और नैतिकता महत्वपूर्ण

– सुनील कुमार गुप्ता

भारतीय संविधान विविधता और अनेकता में एकता का अनुकरणीय उदाहरण है, जो विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, जातियों, भाषाओं, पहनाओं और परंपराओं के लोगों को एक साथ परस्पर, प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ रहने का संदेश देता है। संविधान की प्रस्तावना की पहली पंक्ति ही है-'हम, भारत के लोग', यह वाक्यांश ही स्पष्ट कर देता है कि भारत का संविधान अपने अधिकार और वैधता लोगों से प्राप्त करता है। में एक अच्छा संविधान मिला है, पर यह हमारे नेताओं पर निर्भर करता है कि वो कैसे संविधान को आगे बढ़ाएं। वो अच्छे संविधान को बुरा बना सकते हैं और एक बुरे संविधान को भी अच्छा बना सकते हैं।

संविधान एक दृष्टिकोण है, एक रोशनी है, जो हमें, देश को आगे बढ़ा सकता है। संविधान के दस्तावेज में हर शब्द नहीं लिखा जा सकता है, लेकिन उसके भाव और नैतिकता महत्वपूर्ण है, जिसे अपनाकर आगे बढ़ा जा सकता है।

आज 26 नवंबर है, वो ऐतिहासिक दिन जिसे हम संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं। यह वह दिन है, जब सन् 1949 को देश का अपना संविधान बनकर तैयार हुआ था। 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। भारत के संविधान को दुनिया को अनूठा संविधान भी माना जा सकता है। दरअसल यह केवल व्यक्ति के अस्तित्व, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और गरिमा का ही ध्यान नहीं रखता है, बल्कि पूरे विश्व, महाद्वीप और प्रकृति के संरक्षण और मानवता की बात भी करता है।

हम जब देश के संविधान बनने के सफरनामे, उसकी प्रक्रिया पर नजर डालते हैं तो पाते हैं, कि यह केवल एक कानूनी, अनुच्छेदों से भरा एक दस्तावेज मात्र नहीं हैं, बल्कि इसमें शामिल हर पंक्ति के पीछे सामाजिक, आर्थिक बदलाव, सुधार के ठोस तर्क मौजूद हैं। संविधान बनाने वालों ने भारतीय समाज की बुराईयों और विसंगतियों को छिपाने की कोशिश नहीं की। भारत के लोग जिन बुनियादी अधिकारों से वंचित थे, उनका पूरा संरक्षण करने वाली व्यवस्था बनाने की पहल इस संविधान में की गई।

भारतीय संविधान की विकास यात्रा, तथ्य और तर्कों पर लिखी पुस्तकों का अध्ययन करने पर पाते हैं कि भारत का संविधान कोई एक बार की पहल में लिखा गया संविधान नहीं है, इसके पीछे सवा सौ सालों के सामाजिक सुधार के अभियानों, ब्रिटिश सरकार द्वारा डेढ़ सौ सालों में बनाये गये अलग-अलग कानूनों के अनुभव और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलनकारियों के द्वारा 50 सालों में बनाये गये अलग-अलग प्रारूप खड़े हुए हैं।

हमारे संविधान को बनाने में उन्नीसवीं सदी की शुरूआत से हुए सामाजिक सुधार आंदोलन मील का पत्थर साबित हुए। इन पहलों ने भारतीय समाज में यह चेतना जागृत करना शुरू की कि भारत में ऐसी संवैधानिक व्यवस्था होनी चाहिए, जो आपसी प्रेम को बढ़ावा दे और शोषणकारी व्यवस्था को समाप्त करे और न्याय की अवधारणा को स्थापित करे। इसमें सेरामपुर मिशन प्रेस के माध्यम से सन् 1800 में बंगाल में जन शिक्षण को बढ़ावा देने की पहल, 1828 में राजा राममोहन राय द्वारा की गई सती प्रथा और बाल विवाह की कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज सुधार की पहल, 1848 में सावित्री बाई फुले द्वारा महिलाओं के लिए पहला स्कूल खोलने और 1853 में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए बाल हत्या प्रतिबंध गृह खोलने की पहल, 1873 में ज्योतिबा फुले द्वारा समाज में जाति व्यवस्था को समाप्त करने के उद्देश्य से की गई सत्य शोधक समाज की स्थापना, महिलाओं को शोषण से मुक्त कराने की पहल को हम सब जानते हैं। इसके अलावा ईश्वरचंद्र विद्यासागर की कोशिशों से हिन्दू पुनर्विवाह अधिनियम, विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 बना। वर्ष 1882 में रमाबाई के आर्य महिला समाज संगठन के माध्यम अनाथ संरक्षण और बालिका शिक्षा के कार्यों को कौन भुला सकता है।

सर सैय्यद अहमद खान ने 1863 में मुस्लिम समुदाय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण स्थापित करने के लिए साईंटिफिक सोसायटी की स्थापना की। 1875 में हिन्दू समाज सुधार की पहलों के लिए चिरपरिचित गुजरात के स्वामी दयानंद सरस्वती, 1905 में शिक्षा, स्वास्थ्य, शराबबंदी, गरीबी, छुआछूत और अस्पृश्यता, सामाजिक विसंगति के खिलाफ अपनी संस्था के माध्यम से पहल करने वाले बाल कृष्ण गोखले, केरल के नारायण गुरू, आंध्र प्रदेश के कंदुकूरि वीरेश लिंगम, डॉ.आत्माराम पांडुरंग, स्वतंत्रता आंदोलन के समानांतर ही देश की भीतरी विसंगतियों को दूर करने के लिए जी-जान से जुटे रहे महात्मा गांधी जैसे पुरखों के विचार-कर्मपथ और भाव दर्शन हमारे संविधान में आपको मिल जायेंगे।

राजनैतिक पहलों का इतिहास भी आप तलाशेंगे तो पायेंगे। इसकी शुरूआत 1895 से हो गई थी। व्यक्तिगत, सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक संगठनों से लेकर उस दौर की रियासतों, राजे-रजवाड़ों तक ने आजादी के बाद देश की व्यवस्था, नियम-कानून कैसे होंगे, इसके अपने-अपने प्रारूप बनाए थे और संविधान सभा तक पहुंचे थे।

देश को आजादी 15 अगस्त 1947 को मिली, लेकिन उससे पहले से संविधान सभा के 299 सदस्य स्वतंत्र भारत के लिए संविधान बनाने में लगे हुए थे। यह काम इतना आसान नहीं था, 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई। 2 साल 11 महीने, 18 दिनों तक कई बैठकों और बहसों के लंबे दौर चले। इसके बाद डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में बनी मसौदा समिति ने इसे अंतिम रूप दिया। 26 नवंबर 1949 साधारण सभा की आखिरी बैठक में इसे अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया। इसीलिए हम इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह विश्व का सबसे बड़ा और हस्तलिखित संविधान है। जब यह बना, तब इसमें 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं। समय-समय पर हुए संशोधनों के बाद वर्तमान में संविधान में 470 से अधिक अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां हैं। अमेरिका, रूस, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन जैसे देशों की श्रेष्ठ अवधारणाओं और संवैधानिक मूल्यों को हमारे संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया है। यह उल्लेखनीय तथ्य है कि जो लोग भारत का संविधान बना रहे थे, वे आपस में भी एकमत नहीं थे। उनके विचारों में भारी टकराव था, इसके बावजूद वे हिंसक नहीं थे। उनका विचारों की विविधता और परस्पर प्रेम के भाव में भरपूर विश्वास था। असहमतियां थीं, लेकिन कोई भी सह-अस्तित्व की अनिवार्यता से समझौता नहीं कर रहा था।

जब संविधान की रचना की जा रही थी, तब संविधान सभा में शामिल लोगों ने कई बार कहा था कि हमें एक बेहतर भविष्य के लिए संविधान बनाना है। हमें उन मूल्यों को तय करना है, जिनसे भारत के स्वभाव और चरित्र का निर्माण हो। लेकिन वह यह भी कह गए कि संविधान कितना भी अच्छा बना लीजिये, यदि इसे लागू करने वाले लोगों का समूह और उनका विचार दूषित हुआ, तो अच्छे संविधान के कोई मायने नहीं रह जायेंगे।

संविधान बनने के बाद संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी कहा कि, हमें एक अच्छा संविधान मिला है, पर यह हमारे नेताओं पर निर्भर करता है कि वो कैसे संविधान को आगे बढ़ाएं। वो अच्छे संविधान को बुरा बना सकते हैं और एक बुरे संविधान को भी अच्छा बना सकते हैं।

अभी हाल ही 'संविधान संवादह्न की एक व्याख्यानमाला में अपने संबोधन में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत जस्टिस मदन बी. लोकुर ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे संविधान में तीन-चार बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं। एक तो है प्रस्तावना- जिसमें मार्गदर्शक हैं न्याय, स्वतंत्रता, समानता, गरिमा, ये मूल्य आधारित दृष्टिकोण हैं, जिससे हम अपने संविधान को आगे बढ़ा सकते हैं। दूसरा-संविधान हमें कुछ बुनियादी अधिकार देता है, जैसे-जीवन जीने, अभिव्यक्ति, शैक्षिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्वतंत्रता आदि। तीसरा- संविधान में हमारे कर्तव्यों का भी उल्लेख है। लेकिन यह नहीं हो सकता है कि आप प्रस्तावना को एक तरफ रखें और अधिकारों को दूसरी तरफ और अपने स्वार्थ के हिसाब से संविधान को आगे बढ़ाएं।

दरअसल संविधान एक दृष्टिकोण है, एक रोशनी है, जो हमें, देश को आगे बढ़ा सकता है। यह देश के हम यानी नागरिकों और नेताओं पर निर्भर है कि वह इसका कैसे उपयोग करें और कैसे आगे बढ़ाएं। संविधान के दस्तावेज में हर शब्द नहीं लिखा जा सकता है लेकिन संवैधानिक भाव और नैतिकता महत्वपूर्ण है, जिसे अपनाकर आगे बढ़ा जा सकता है। यह बात इसलिए कर रहा हूं कि आज व्यवस्था की ओर से कई काम और फैसले ऐसे किए जा रहे हैं, जिसमें नागरिक को न्याय नहीं मिल रहा, समानता, स्वतंत्रता और गरिमा का संरक्षण नहीं हो रहा है।

माता महाकाली धाम में संपन्न हुआ दिव्य पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ, भक्ति, भाव और सेवा का अद्भुत उत्सव

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। जनपद के थाना कोतवाली मुहम्मदाबाद अंतर्गत यूसुफपुर स्थित पावन माता महाकाली धाम का पूरा परिसर गुरुवार को अलौकिक आस्था और दिव्यता से अनुप्राणित हो उठा, जब यहाँ एक दिवसीय पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। प्रातःकालीन वेला से ही भक्तों की असीमित भीड़ माता के दरबार में उमड़ पड़ी, मानो भक्ति का सागर ही बह चला हो।

यज्ञ स्थल पर ह्नॐ भूर्भुवः स्वःह्व की पवित्र ध्वनि गूंजते ही वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। आचार्य रविंद्र शास्त्री जी ने वैदिक मंत्रोच्चार और पूर्ण विधि-विधान से यज्ञ के प्रत्येक चरण को सम्पन्न कराते हुए भक्तों को धर्म, सदाचार और कल्याण के पथ पर अग्रसर होने का संदेश दिया। हर आहुति के साथ श्रद्धालु

अपने परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि की मनोकामनाएँ माता के चरणों में अर्पित करते रहे। यज्ञ संपन्न होने के पश्चात भंडारे की सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई, जहाँ भक्तों ने विनम्र भाव से माता का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के पुजारी सत्य प्रकाश उर्फ मुकेश जी ने स्वयं प्रसाद वितरित कर भक्तों का अभिनंदन किया और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की।इस पावन अवसर पर प्रतिष्ठित समाज सेविका मीरा राय ने अपनी वर्षो पुरानी सेवाझपरंपरा को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंदों में कंबल वितरित किए। उनकी सेवा भावना ने उपस्थित श्रद्धालुओं का हृदय प्रफुल्लित कर दिया और उन्हें भरपूर सराहना मिली।समग्र रूप से, माता महाकाली मंदिर परिसर में आयोजित यह दिव्य पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ भक्ति, सद्भाव, सेवा और आध्यात्मिक उल्लास से अनुप्राणित होकर अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। माता के जयकारों से गूंजता वातावरण अलौकिक शांति व पवित्रता का प्रत्यक्ष अनुभव करा रहा था।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु जनपद न्यायालय गाजीपुर से जागरूकता रैली रवाना

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13 दिसंबर 2025 के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जनपद न्यायालय गाजीपुर द्वारा एक जागरूकता रैली को माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा हरी झंडी दिखाकर जनपद न्यायालय के गेट सं0-01 से रवाना किया गया। इस अवसर पर माननीय जिला जज धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, अपर जिला सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजीपुर, विजय कुमार जी व समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्ता, पैरा लीगल वॉलंटियर्स, पुलिसकर्मी, न्यायालय कर्मी तथा अन्य लोग उपस्थित हुए। रैली के द्वारा आमजनमा को राष्ट्रीय लोक

अदालत के बारे में जागरूक किया गया सबके लिए न्याय चले, निर्धन से मिलने। लोक अदालत का है नारा कृ ना कोई चिंता, ना कोई हारा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य आम जनता को सरल, सुलभ और निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराए।

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज, विभागों को अधिकतम वाद चिन्हित करने के निर्देश

- प्रशासन-न्यायपालिका की संयुक्त बैठक
- दो बार नोटिस भेजने की हिदायत

अखंड भारत संदेश

लोक अदालत की तैयारी की बैठक में मौजूद अधिकारीगण

चित्रकूट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आगामी 13 दिसंबर को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चौथे चरण की तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष शेषमणि शुक्ला ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों और प्रशासनिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सचिव वर्णिका शुक्ला ने बताया कि अध्यक्ष द्वारा लोक अदालत में अधिकतम वादों की पहचान कर प्रभावी निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लोक अदालत में शमनीय आपराधिक वाद, धारा 138 एनआई एक्ट, मोटर दुर्घटना दावों, श्रम वाद, बैंक वसूली, विद्युत व जल विवाद, पारिवारिक वाद, भूमि अधिग्रहण, राजस्व वाद, किरायेदारी, स्थायी निषेधाज्ञा, सिविल एवं मनी रिकवरी सहित विभिन्न श्रेणियों के मामलों का निस्तारण कराया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने अधीन ऐसे सभी मामलों की पहचान कर पक्षकारों को कम से कम दो बार नोटिस तामील कराएं, ताकि अधिकतम मामलों का समाधान लोक अदालत के माध्यम से किया जा सके। बैठक में विशेष न्यायाधीश एससीध्एसटी राममणि पाठक, अपर जिला जज नीरज श्रीवास्तव, जल संस्थान, आबकारी, शिक्षा, समाज कल्याण, नगर पालिका, विद्युत, अग्निशमन, जीएसटी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पटेल तिराहा पर टूटा बेटी बचाओ बोर्ड, अभियान की साख पर असर

- अधर में लटका सामाजिक संदेश
- जिला प्रशासन को पत्र

अखंड भारत संदेश

क्षतिग्रस्त बोर्ड पर डीएम को पत्र देने गए बीजेपी पदाधिकारी

चित्रकूट। जिले के व्यस्त पटेल तिराहा पर लगे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जागरूकता बोर्ड के क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। नगर कोषाध्यक्ष (भाजपा) एवं व्यापार मंडल नगर महामंत्री मोहित गुप्ता ने इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि यह बोर्ड केवल एक सूचना पट्ट नहीं, बल्कि बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान के प्रति समाज को लगातार सजग करने वाला प्रतीक है। क्षतिग्रसत हिस्से के कारण अभियान का स्पष्ट संदेश दिख नहीं पा रहा, जिससे न सिर्फ सामाजिक संवेदनशीलता प्रभावित हो रही है, बल्कि सरकारी जागरूकता अभियानों की गंभीरता पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने पत्र में लिखा है कि बोर्ड की क्षतिग्रस्त अवस्था प्रशासनिक उदासीनता का संकेत भी मानी जा सकती है, क्योंकि ऐसे संदेश समाज में सकारात्मक सोच को मजबूत करने के लिए लगाए जाते हैं। मोहित गुप्ता ने अनुरोध किया कि संबंधित विभाग जल्द कार्रवाई करते हुए बोर्ड की मरम्मत और पुनर्स्थापन सुनिश्चित करे, ताकि यह संदेश फिर से मजबूती के साथ जनता तक पहुंच सके। उनका कहना है कि जागरूकता से जुड़े प्रतीकों की उचित देखरेख प्रशासन और जनता के भरोसे को मजबूत करती है।

बच्चों के टीकाकरण में झिझक बरकरार ब्लॉकों में 567 परिवार चिन्हित

- टीकाकरण इंकार वाले परिवारों पर फोकस
- 12 गंभीर बीमारियों से बचाव पर नया जोर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनपद में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे 567 परिवारों की पहचान की है, जो टीकाकरण से झिझक या इंकार वाली श्रेणी में आते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी के अनुसार 0 से 23 माह आयु वर्ग के ये बच्चे अक्टूबर 2025 तक के सर्वे और यूनिसेफ की रिपोर्ट के आधार पर सूचीबद्ध किए गए हैं। ब्लॉकवार स्थिति देखें तो शिवरामपुर और मानिकपुर में 125-125, रामनगर में 100, मऊ में 83, पहाड़ी में 70 तथा शहरी पीएचसी कर्वी में 64 बच्चों के परिवार अब भी टीकाकरण के प्रति असहज दिखे हैं। सीएमओ ने बताया कि टीकाकरण टीम-एएनएम, एलएचवी और आशा कार्यकर्ता-गांवों और वार्डों में जाकर परिवारों को टीकाकरण से होने वाले लाभों से अवगत करा रही हैं, ताकि बच्चों को पोलियो, निमोनिया, काली खाँसी, मिजिल्स-रूबेला, टिटेनस से लेकर 12 गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। अगस्त से अक्टूबर 2025 के बीच लक्षित परिवारों में टीकाकरण स्वीकार्यता बढ़ी है-अगस्त में 49 प्रतिशत, सितंबर में 61 प्रतिशत और अक्टूबर में 54 प्रतिशत परिवारों ने अपने बच्चों को टीका लगवाया। इसके बावजूद अक्टूबर में अब भी 168 परिवार टीकाकरण से दूरी बनाए हुए हैं। इन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, डब्लूएचओ, यूनिसेफ, जेएसआई तथा टीएसयू की टीमें मिलकर रणनीति चला रही हैं। विभाग का कहना है कि प्रत्येक ब्लॉक में कोल्डचेन प्वाइंट, वैक्सीन और लॉजिस्टिक पर्याप्त उपलब्ध हैं। जनमानस से अपील है कि जन्म से 5 वर्ष तक के सभी टीके समय पर लगवाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित करें।

धमकी : अनियमितताओं की शिकायत पर बिफरी प्रधानाध्यापिका शिकायतकर्ता भाजपाई सभासद को दी जान से मारने की धमकी

- गबन व अवैध निर्माण की शिकायत
- डीएम से सुरक्षा व कार्रवाई की मांग
- संत तुलसी बाल विद्यालय विवाद

अखंड भारत संदेश

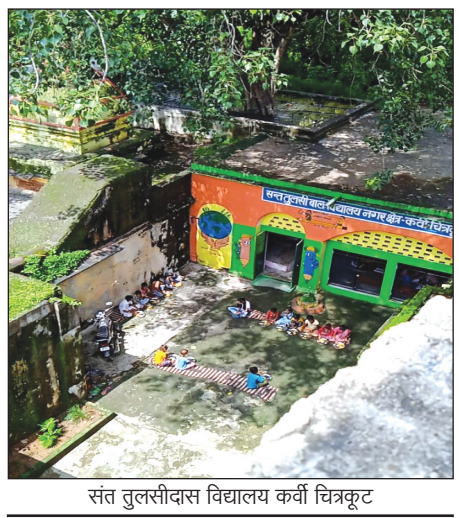

संत तुलसीदास विद्यालय कर्वी चित्रकूट

चित्रकूट। जिले में संत तुलसी बाल विद्यालय को लेकर एक नया विवाद सामने आया है, जहां विद्यालय में कथित धांधली, अनियमितता और गबन की शिकायत करने वाले सभासद शैलेन्द्र कुमार सोनी ने प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सभासद का कहना है कि उन्होंने 26 नवंबर 2025 को जिलाधिकारी को विद्यालय में चल रही अनियमितताओं का विस्तृत शिकायती पत्र दिया था, जिसके तुरंत बाद प्रधानाध्यापिका कथित रूप से नाराज होकर उसी शाम पांच बजे उनके घर पहुंच गईं। आरोप है कि उन्होंने शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया और मना करने पर गाली-गलौज करते हुए फर्जी मुकदमा लगाकर जेल भिजवाने व जान से मरवाने तक की धमकी दी। हंगामा बढ़ता देख आसपास के लोग एकत्र हुए तो वह वहां से चली गईं। सभासद का यह भी आरोप है कि मीनाक्षी गुप्ता पूर्व में भी कई लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाने को लेकर चर्चित रही हैं, जिससे उनका परिवार भयभीत है। उन्होंने जिलाधिकारी से सुरक्षा की मांग की है। शिकायत में विद्यालय परिसर से सटी सार्वजनिक सड़क किनारे अवैध सोख्ता टैंक निर्माण का आरोप भी शामिल है, जिससे पास के तीन मंजिला मकान की नींव कमजोर होती बताई गई है। स्थानीय नागरिकों की शिकायत के आधार पर पहले की गई जांच में भी इस निर्माण को मानकविहीन पाया गया था, पर कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। इसके अलावा सार्वजनिक हैंडपंप पर समर्सिबल लगाकर अवैध कब्जा करने से आस-पास के लोगों को जल संकट झेलने का आरोप भी लगाया गया है। सभासद ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच, सुरक्षा और विद्यालय में चल रही सभी अनियमितताओं पर ठोस कार्रवाई की मांग की है।

संस्कृत परिषद 2026 परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र सूची जारी, आपत्तियों की प्रक्रिया शुरू

चित्रकूट। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर प्रसाद ने बताया कि शिक्षा निदेशक माध्यमिक एवं उत्तर प्रदेश मध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के निदेशों के अनुरूप वर्ष 2026 की पूर्व मध्यमा द्वितीय तथा उत्तर मध्यमा प्रथम और द्वितीय स्तर की परीक्षाओं के लिए जनपदीय परीक्षा केंद्र निर्धारण समिति की बैठक 27 नवंबर को आहूत की गई। बैठक में चार विद्यालयों- चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी (221 छात्र), गंगा प्रसाद जन सेवा इंटर कॉलेज कर्वी (151), तुलसी इंटर कॉलेज राजापुर (161) और कृषक इंटर कॉलेज भौंरी (239)- को मिलाकर कुल 772 परीक्षार्थियों के लिए प्रस्तावित केंद्र तय किए गए। इन केंद्रों पर यदि किसी को आपत्ति हो तो 30 नवंबर सांय 5 बजे तक डीआईओएस कार्यालय में वाहक, रजिस्टर्ड डाक या ईमेल एग्जामसेक्शनसीकेटी एट जीमेल पर प्रत्यावेदन भेजा जा सकता है। इसके बाद कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

सपा महासचिव ने पाकिस्तानी जेल से बाँदा के मछुवारों की रिहाई के लिए डीएम के माध्यम से भारत सरकार के नाम सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

बाँदा। डीएम कार्यालय में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव/पूर्व मंत्री विशंभर प्रसाद निषाद ने बांदा के तिंदवारी क्षेत्र के माटा गांव के जितेंद्र पुत्र संजय; धौंसण गांव के लक्ष्मण पुत्र जागेश्वर; चांदबाबू पुत्र बशीर; व चटगन गांव के सर्वेश पुत्र श्रीराम के गुजरात में मछली आखेट के दौरान पाकिस्तानी नौसेना द्वारा गिरफ्तार कर अक्टूबर 2021 से जेल में बंद है! इन सबकी रिहाई के लिए जिला प्रशासन के माध्यम से सभी पीड़ित परिवार के साथ अधिकारियों को लिखित में अवगत कराया और इस मुद्दे को आगे शुरू हो रहे लोकसभा सत्र में पार्टी के माननीय सांसदों द्वारा उठवाने की बात भी कही जिससे इन चारों की पाकिस्तानी जेल से जल्द रिहाई के लिए देश की सरकार/ग्रह मंत्रालय पहल करे ! और उनके परिवारों में खुशियां वापस आएं!इस मौके पर पार्टी के नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले आदि लोग साथ में रहे !

पूर्व एबीएसए याज्ञिक की स्मृति में बरहा में उमड़ा जनसैलाब सैकड़ों ने पुष्पांजलि अर्पित कर जताई श्रद्धा

याज्ञिक की विरासत पर हुई चर्चा

अखंड भारत संदेश

भण्डारे में प्रसाद वितरण करते राजकुमार याज्ञिक

चित्रकूट। बरहा हनुमान जी परिक्रमा मार्ग स्थित प्रजापति धर्मशाला रविवार को श्रद्धा और सम्मान के रंगों में रंगी दिखी, जब भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार याज्ञिक के पिता एवं सेवानिवृत्त सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी स्व सुरेंद्र प्रसाद याज्ञिक की पुण्यतिथि पर विशाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। सैकड़ों लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया, जबकि भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। स्व याज्ञिक की सेवाओं को याद करते हुए पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि उन्होंने पुरानी बाजार स्थित राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्कूल से अपने शैक्षिक जीवन की शुरूआत की थी। उनके कार्यकाल में यह सरकारी विद्यालय जिले में उत्कृष्ट शिक्षा के मॉडल के रूप में पहचाना जाता था। उन्होंने कहा कि याज्ञिक द्वारा पढ़ाए गए बच्चे आज चित्रकूट का नाम रोशन कर रहे हैं, और वर्तमान शिक्षकों के लिए उनके व्यक्तित्व और कर्तृत्व में प्रेरणा का स्रोत मौजूद है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के निजी सचिव सुरेश कुमार, पूर्व राज्य मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, कोआपरेटिव बैंक चेयरमैन पंकज अग्रवाल, एएसपी सत्यपाल सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में पारिवारिकजनों-शिक्षक बिहारी लाल, राजकुमार याज्ञिक, सुशील कुमार, भानु प्रताप और प्रवीण कुमार- का विशेष योगदान रहा।

कानूनगो रिश्वतखोरी में रंगे हाथों पकड़ा गया, चकबंदी फाइल के नाम पर माँगी थी रकम

आरोपी कानूनगो

चित्रकूट। जिले की कर्वी तहसील में तैनात कानूनगो ओमप्रकाश सिंह मंगलवार को उस समय एंटी करप्शन टीम के हत्थे चढ़ गया, जब वह चकबंदी की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर एक ग्रामीण से पाँच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था। लंबे समय से अपने राजस्व कार्य के लिए चक्कर काट रहे पीड़ित ने हारकर बांदा स्थित एंटी करप्शन टीम को शिकायत दी। टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया और तय स्थान पर आरोपी को नोटों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे थाने लाया गया, जहां पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई से राजस्व विभाग में हड़कंप मचा हुआ है और ग्रामीणों में संतोष की लहर है।

इटवां खदान में अवैध खनन जारी

अखंड भारत संदेश

- निर्धारित सीमा क्षेत्र से बाहर मौजा चकरेही में शुरू अवैध खनन
- मुख्यमंत्री सहित जिलाधिकारी के आदेश साबित हो रहे बेअसर
- इटवां खदान से लेकर बाईपास तक फैला मनैजमेंट का नेटवर्क

बांदा। प्रदेश के मुख्यमंत्री, सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के सारे आदेश और निर्देश जनपद की बागै नदी में संचालित इटवां खदान में पूरी तरह से धराशाही हो जाते हैं। इस खदान के संचालत की मनमानी सारे आदेशों और निदेर्शों को धता बताते हुए लगातार जारी है। हद तो तब हो गयी जब बागै नदी पर संचालित इटवां खदान के वैध पट्टे की आड़ में इस खदान की मशीनों के द्वारा मौजा चकरेही में सीमा क्षेत्र से बाहर अवैध खनन के कार्य को अजाम दिया। जिसकी वीडियों सोशल मीडिया मे वायरल होने के बाद दिनभर चर्चा का विषय बनी रही।

बताते चलें कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरा टालरेंस की नीति के तहत प्रदेश में अवैध खनन और अवैध परिवहन के साथ-साथ ओवरलोडिंग पर लगाम लगाने के अफसरों को साफ तौर पर कड़े निर्देश दिए थे। जिसके बाद जनपद फतेहपुर में एसटीएफ की कार्यवाही और हमीरपुर में तक्कों पर कार्यवाही एक नजीर बन गयी लेकिन जनपद बांदा में बागै नदी में संचालित इटवां खदान में सारे नियम और कायदों को गुप्ता और यादव जी की जुगल जोड़ी ने अपने पैरों तले रौंद डाला। इटवां खदान के वैध पट्टे की आड़ में पूरी तरह से दिन ढलने के बाद अवैध खनन का काला खेल शुरू हो जाता है। जिसका वीडियों को सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियों में इटवां खदान के वैध पट्टे में मौजा चकरेही में अवैध तरीके से नदी की जलधारा में भारी-भरकम मशीनों से अवैध खनन धड़ल्ले से किया जा रहा है। अवैध खनन के बाद ओवरलोड वाहनों में बालू को भरकर रात के अंधेरे में रवाना कर दिया । खनन कारोबारी के इस काले कारनामे की वजह से सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं जब इस संबंध में खनिज अधिकारी से बात करने की कोशिश की गयी तो उन्होंने काल को रिसीव नहीं किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री के सभी अधकारियों को सख्त निर्देश हैं कि सीयूजी नंबर पर हर समय अधिकारी उपलब्ध रहेंगे। लेकिन खनिज अधिकारी पर मानो यह निर्देश लागू ही नहीं होते। क्योंकि उनसे जब भी किसी भी खदान के बारे में जानकारी लेने के लिए कलमकार या स्थानीय किसानों द्वारा काल किया जाता है तो उनका सीयूजी नंबर रिसीव हीं नहीं होता। बताते चलें कि जनपद फतेहपुर में मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद खनन माफियाओं से जुड़े अधिकारियों को पर जिस तरह कार्यवाही की गयी थी। उससे कई लोगों को नसीहत मिल गयी ।लेकिन इटवां खदान के खनन कारोबारी को इस कार्यवाही का कोई भय नहीं है। तभी तो सीमा क्षेत्र से बाहर जाकर अवैध खनन कार्य को जमकर अंजाम दे रहा है। खदान सूत्रों की माने तो संचालक को खलेआम खनिज अधिकारी सहित जिम्मेदार अधिकारियां का संरक्षण प्राप्त है,,,इटवां खदान कि अवैध खनन कि खबरें सोशल मीडिया में हो रही है वायरल खबरों का संज्ञान लेते हुए जब जाँच अधिकारी अपने दफ्तर से निकलें कार्यवाही को वैसे ही सूचना मिल जाती है इटवां खदान संचालक को और पिले पंजे हो जाते है अइस्थाई इतना नेटवर्क तगड़ा है इटवां खदान संचालक का,,कब होंगी कार्यवाही अब ये सोचने वाली बात है।

महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर ममता संस्था ने गांवों में चलाया जागरूकता संवाद

अखंड भारत संदेश

ग्रामीणों संग संस्था के सदस्य

चित्रकूट। जिले में अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर ममता हेल्थ इंस्टिट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड द्वारा संचालित प्रोजेक्ट जाग्रति के तहत खोह, परसौजा, रगौली, भभेट, शिवरामपुर और रामनगर ब्लॉक के कई गांवों में महिलाओं को घरेलू हिंसा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति ने इसे और प्रभावी बनाया। चौकी प्रभारी राम कुमार दुबे, थाना प्रभारी लाखन सिंह, महिला कांस्टेबल आरती, नीलू व प्रियंका तथा बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार शुक्ला ने महिलाओं को कानूनी अधिकारों, हेल्पलाइन नंबरों और त्वरित शिकायत प्रक्रिया की जानकारी दी। महिलाओं को आश्वस्त किया गया कि शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, यौन या भावनात्मक हिंसा की स्थिति में वे बिना भय के पुलिस स्टेशन या सीधे मजिस्ट्रेट के पास शिकायत दर्ज करा सकती हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता ने घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम 2005 के तहत संरक्षण आदेश, आश्रय गृह, भरण-पोषण, मुफ्त कानूनी सहायता और सरकारी अस्पताल में निःशुल्क उपचार जैसे अधिकारों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के जिला समन्वयक राजीव कुमार पाठक ने बताया कि महिलाएं हिंसा के किसी भी मामले में 1091, 1090 और 181 हेल्पलाइन पर 24 घंटे सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

कर्वी-राजापुर रोड पर तेज रफ्तार ने ली युवक की जान

चित्रकूट। कर्वी-राजापुर रोड पर चकौंध के पास गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना कर्वी कोतवाली क्षेत्र की है। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं। पुलिस मौके पर पहुंच कर आवश्यक कार्यवाही कर रही है।

रामनगर में आयोजित दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता ने बढ़ाया बच्चों का मनोबल

- दिव्यांग बच्चों को मिला खेल का मंच
- बच्चों की प्रतिभा का रंगीन प्रदर्शन

देऊंधा में ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में खेलते बच्चे

चित्रकूट। राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चित्रकूट के संयुक्त निर्देशन में विकासखंड रामनगर के अंतर्गत बेसिक विद्यालयों में नामांकित दिव्यांग बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 27 नवंबर को देऊंधा स्थित स्व गुलाब कली जूनियर हाई स्कूल के प्रांगण में संपन्न हुई। खंड शिक्षा अधिकारी एनपी सिंह और ग्राम प्रधान देऊंधा दिलीप कुमार द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से एक सौ से अधिक दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर मैदान को उत्साह, आत्मविश्वास और रंगीन ऊर्जा से भर दिया। प्रतियोगिता में 100 मीटर और 50 मीटर दौड़, जलेबी दौड़, ट्राईसाइकिल दौड़, छूकर पहचानो, रस्साकसी, कुर्सी दौड़ और लेखन प्रतियोगिता जैसे कई रोचक आयोजन हुए, जिनमें बच्चों ने अपनी क्षमताओं और हौसले को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत गीतों ने माहौल को और भी भावनात्मक बना दिया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि दिव्यांग बच्चों में छिपी बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करने के लिए ऐसे मंच अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्राम प्रधान ने बच्चों को पढ़ाई न छोड़ने और सपनों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। समारोह में विजेता बच्चों को प्लेट, टिफिन और गिलास देकर सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को कॉपी-पेन वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक, शिक्षक, स्पेशल एजुकेटर और स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

विदेश मंत्रालय ने धांसू अंदाज में चीन को दी खुली चेतावनी

चीन

भारत ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा कि यह पूर्वोत्तर राज्य भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग" है। साथ ही, यह भी कहा कि बीजिंग की ओर से किसी भी तरह का इनकार इस "निर्विवाद वास्तविकता" को नहीं बदल सकता। एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। यह विरोध अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला, प्रेमा वांगजोम थोंगडोक को शंघाई हवाई अड्डे पर 18 घंटे तक हिरासत में रखने के बाद आया है। चीनी अधिकारियों ने दावा किया कि उनका भारतीय पासपोर्ट अमान्य है क्योंकि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है। हिरासत को मनमाना बताते हुए जायसवाल ने इस मामले पर भारत की सतत स्थिति की पुष्टि की और कहा कि सरकार ने घटना के तुरंत

बाद बीजिंग और नई दिल्ली दोनों जगहों पर चीन को कड़ा विरोध पत्र जारी किया है। जायसवाल ने कहा कि हमने एक बयान दिया था, जिसे आपने देखा होगा कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय नागरिक को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया, जिसके पास वैध पासपोर्ट था और वह जापान की अपनी आगे की यात्रा पर शंघाई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गुजर रही थी। हम कहना चाहते हैं कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है और यह एक ऐसा तथ्य है जो स्वयं स्पष्ट है, चीनी पक्ष द्वारा किसी भी तरह का इनकार इस निर्विवाद वास्तविकता को बदलने वाला नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा मैंने कहा कि हमने इस मामले को उठाया है। जब यह घटना हुई थी, तब हमने बीजिंग और दिल्ली, दोनों जगहों पर चीनी पक्ष के साथ एक कड़ा विरोध-पत्र जारी किया था। अरुणाचल प्रदेश की इस भारतीय नागरिक को शंघाई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक अपमानित किया गया और हिरासत में रखा गया, जब चीनी आव्रजन अधिकारियों ने उसके भारतीय पासपोर्ट को "अमान्य" घोषित कर दिया और उसकी राष्ट्रीयता का मजाक उड़ाते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा नहीं है। भारत ने प्रेमा के साथ हुए दुर्व्यवहार पर चीन को एक कड़ा विरोध-पत्र जारी किया। प्रेमा ने आव्रजन और एयरलाइन कर्मचारियों के व्यवहार को "अपमानजनक" और "संदिग्ध" बताया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरान वह अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पाईं।

पाकिस्तान का बड़ा कबूलनामा: तालिबान से रिश्ते सुधारे, पर कोई फायदा नहीं, वे भरोसा लायक नहीं

पाकिस्तान

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने मंगलवार को कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच इस्लामाबाद को अफगानिस्तान में तालिबान शासन से कोई उम्मीद नहीं बची है। उनका यह बयान मंगलवार को तनाव बढ़ने के बाद आया है, जब अफगानिस्तान में तालिबान अधिकारियों ने सीमा पर रात भर हुए हमलों का उचित जवाब देने की कसम खाई थी। उन्होंने इसके लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया था। इन हमलों में 10 लोग मारे गए थे। इसके बाद पिछले दिन पेशावर में हुए आत्मघाती बम विस्फोट के बाद तनाव फिर से बढ़ गया था। कथित हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अक्टूबर में कतर और तुर्की द्वारा दोनों पक्षों के बीच किया गया युद्धविराम अभी भी लागू है।

अफगान तालिबान पर ख्वाजा आसिफ

जियो न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में देश के रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद व्यक्तिगत रूप से उनका स्वागत किया था और संबंधों को मजबूत बनाने के लिए कई बार अफगानिस्तान की यात्रा की थी। लेकिन उन्होंने आगे कहा कि मुझे नहीं लगता कि इन यात्राओं से हमें कोई फायदा, सफलता या उनके व्यवहार में कोई बदलाव आया है; उनके रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है।

उन्होंने कहा कि उन पर [अफगान तालिबान पर] भरोसा करना मूर्खता होगी।

लेक्चर मत दो... राम मंदिर ध्वजारोहण पर कमेंट करना पाकिस्तान को पड़ा भारी, भारत ने कराई बोलती बंद

पाकिस्तान

भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के उस बयान की कड़ी आलोचना की जिसमें उसने अयोध्या के राम मंदिर पर पवित्र ध्वज फहराने की आलोचना की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान को दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से पाकिस्तान के "कट्टरता, दमन और अल्पसंख्यकों" के साथ व्यवस्थित दुर्व्यवहार के गहरे दागदार रिकॉर्ड" की ओर इशारा किया। हमने रिपोर्ट की गई टिप्पणियों को देखा है और उन्हें पूरी तरह से खारिज करते हैं। जायसवाल ने मंगलवार को अयोध्या में आयोजित धार्मिक समारोह पर इस्लामाबाद के रुख का कड़ा खंडन किया और कहा कि हमने रिपोर्ट की गई टिप्पणियों को देखा है और उन्हें पूरी तरह से खारिज करते हैं। कट्टरता, दमन और अल्पसंख्यकों के साथ व्यवस्थित दुर्व्यवहार के गहरे दागदार रिकॉर्ड वाले देश के रूप में पाकिस्तान के पास दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक आधार नहीं है।

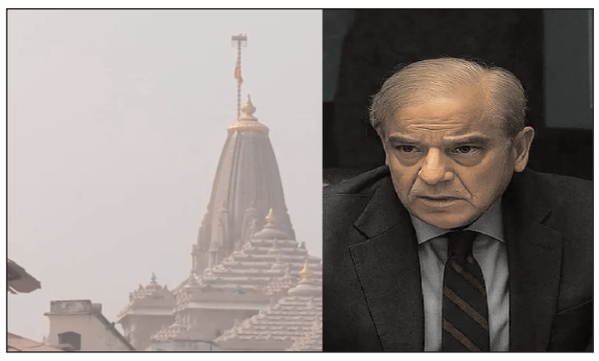

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में ध्वजारोहण की ओर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की गई थी, तथा इसे इस्लामोफोबिया और "विरासत के अपमान" का उदाहरण बताया गया था, जिसमें 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस का जिक्र किया गया था। पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ अपनी बेबुनियाद बयानबाजी जारी रखी। , देश की सरकार और न्यायपालिका पर हमला बोला, जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण की अनुमति दी और इसे अल्पसंख्यकों के प्रति भारतीय राज्य का भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण बताया। विदेश मंत्रालय ने 25 नवंबर के समारोह के बारे में इस्लामाबाद की बिन बुलाई और अवांछित राय को आलोचना करते हुए कहा, "पाखंडी उपदेश देने के बजाय, पाकिस्तान को अपने अंदर झांकना चाहिए और अपने स्वयं के खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में भव्य ध्वजारोहण समारोह में राम मंदिर के ऊपर पवित्र भगवा ध्वज फहराया, जो श्री राम जन्मभूमि मंदिर के प्रतिष्ठापन के एक वर्ष से अधिक समय बाद औपचारिक रूप से पूरा होने का प्रतीक है।

चीन की छुट्टी करने का प्लान, रेयर अर्थ पर मोदी सरकार ने किया ऐसा ऐलान, 7280 करोड़ का शुरू होगा प्रोजेक्ट

चीन

पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी की मीटिंग हुई। बैठक के दौरान रेयर अर्थ परमानेंट मैगनेट मैन्युफैक्चरिंग, पुणे मेट्रो का विस्तार, देवभूमि द्वारका(ओखा)-कनालुस रेलवे लाइन को डबल करने के साथ ही बदलपुर-करजत की तीसरी और चौथी रेलवे लाइन से जुड़े बड़े फैसले लिए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 'सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट के निर्माण को बढ़ावा देने की योजना' को

मंजूरी दी गई। साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह भारत सरकार द्वारा रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और वैश्विक आरईपीएम बाजार में भारत को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की अपनी तरह की पहली पहल है। दुर्लभ मृदा चुम्बकों का उपयोग प्रमुख उद्योगों में किया जाता है, जिनमें इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा उपकरण और रक्षा शामिल हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, यह योजना दुर्लभ मृदा स्थायी चुम्बकों के निर्माण को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य 6,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (मीट्रिक टन प्रति वर्ष) उत्पादन क्षमता सृजित करना है। इस योजना में वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से पाँच लाभार्थियों को कुल क्षमता आवंटित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक लाभार्थी को 1,200 मीट्रिक टन प्रति वर्ष तक की क्षमता आवंटित की जाएगी।

इस योजना की कुल अवधि ठेका मिलने की तिथि से 7 वर्ष होगी, जिसमें एकीकृत रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 2 वर्ष की अवधि और आरईपीएम की बिक्री पर प्रोत्साहन राशि वितरण के लिए 5 वर्ष शामिल हैं।

इजराइल ने गाजा से भेजे गए शव की पहचान की

इजराइल

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने गाजा से हाल में लाए गए एक शव की पहचान बंधक ड्रोर ओर के अवशेषों के रूप में की है। अब गाजा में दो बंधकों के शव बचे हैं। इजराइल-हमास संघर्ष विराम समझौते का पहला चरण पूरा होने वाला है। फलस्तीनी आतंकवादियों ने मंगलवार को ड्रोर ओर के शव को भेजा था। इजराइल प्रत्येक बंधक या अवशेष के बदले 15 फलस्तीनियों के शव देने पर सहमत हो गया है। इजराइल की सेना ने कहा कि ड्रोर ओर को

इस्लामिक जिहाद के चरमपंथियों ने 7 अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज बीरी में उनके घर पर हमला कर-के मार डाला था। उनकी पत्नी, योनत ओर भी हमले में मारी गई थीं। उस दिन, फलिस्तीनी चरमपंथियों ने दक्षिणी इजराइल में लगभग 1,200 लोगों को मार डाला और 251 लोगों को अगवा करके गाजा ले गए थे।

ड्रोर ओर के दो बच्चों, अल्मा और नोआम को चरमपंथियों ने 7 अक्टूबर को अगवा कर लिया था और नवंबर 2023 में एक समझौते के तहत उन्हें छोड़ दिया गया था।

एनसीबी का बड़ा खुलासा, दुबई से भारत ड्रग्स तस्करी का मास्टरमाइंड पवन ठाकुर UAE में दबोचा

दुबई

भारतीय ड्रग तस्कर पवन ठाकुर को दुबई में गिरफ्तार कर लिया गया है। ठाकुर को जल्द ही भारत प्रत्यर्पित किए जाने की संभावना है। इस बीच, माना जा रहा है कि ठाकुर ?282 करोड़ मूल्य की मेथ ड्रग्स का मास्टरमाइंड है, जिसे एनसीबी ने दो दिन पहले दिल्ली में जब्त किया था।

इसके अलावा, ठाकुर कथित तौर पर पिछले नवंबर में दिल्ली में उजागर हुए 2,500 करोड़ रुपये के कोकीन रैकेट का भी मास्टरमाइंड है। एनसीबी ने सितंबर में उसके खिलाफ इंटरपोल के माध्यम से सिल्वर नोटिस जारी किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी उसके ठिकानों पर छापे मारे और उसके 118 खातों को फ्रीज कर दिया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ठाकुर के खिलाफ सिल्वर नोटिस जारी करने की पुष्टि की है। एजेंसी ने एक बयान में कहा, "एनसीबी ने इंटरपोल के साथ मिलकर पहला सिल्वर नोटिस सफलतापूर्वक जारी किया है और यह पवन ठाकुर नाम के एक आरोपी के खिलाफ है।

एजेंसी ने आगे कहा कि दुबई स्थित यह ड्रग तस्कर एक "भगोड़ा" है और पिछले नवंबर में दिल्ली में जब्त की गई कोकीन के आयात, निर्यात और तस्करी का "मास्टरमाइंड" है। "उसने एक भारतीय बंदरगाह के माध्यम से माल के आयात की व्यवस्था की और सड़क मार्ग से दिल्ली तक उसकी आगे की आवाजाही में मदद की।

पाकिस्तान की जेल में हुई इमरान खान की रहस्यमयी ढंग से हत्या?

पाकिस्तान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में एक शुरूआती दावा सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि जेल में प्रताड़ित करने के बाद उनकी हत्या कर दी गई। बलूचिस्तान के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और असीम मुनीर ने इस साजिश को अंजाम दिया। इन खबरों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, जेल के बाहर जमा भीड़ की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि इमरान खान की बहनों और

परिवार के अन्य सदस्यों को जेल में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। इससे उनकी हत्या की आशंका और गहरा गई है।

पाकिस्तान के सोशल मीडिया और कई अफगान मीडिया संस्थानों में ऐसी खबरें फैलने लगी हैं जिनमें दावा किया जा रहा है कि रावलपिंडी की अदियाला जेल में इमरान खान की हत्या कर दी गई है।

ये पोस्ट कई अकाउंट्स द्वारा शेयर की गई हैं, जिनमें से एक अकाउंट ने खुद को बलूचिस्तान के विदेश मंत्रालय का बताया है। इन अकाउंट्स में आरोप लगाया गया है कि खान की हिरासत में हत्या की गई होगी।

इमरान खान की हत्या की खबरें विदेश मंत्रालय बलूचिस्तान अकाउंट ने अनाम समाचार माध्यमों का हवाला देते हुए लिखा कि पंजाब की जेलों के अंदर से ऐसी जानकारी सामने आ रही है जिससे पता चलता है कि इमरान खान की हत्या सेना प्रमुख असीम मुनीर और आईएसआई प्रशासन ने की है। पंजाब पाकिस्तान की जेलों के अंदर से अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि हिरासत में बंद इमरान खान की हत्या असीम मुनीर और उनके आईएसआई प्रशासन ने कर दी है, जैसा कि कई समाचार माध्यमों से पता चला है। अगर यह जानकारी सच साबित होती है, तो यह आतंकवादी पाकिस्तान के पूर्व अंत का संकेत है।

दुनिया के सामने सच्चाई उजागर होते ही इसकी बची-खुची वैधता का पतन शुरू हो जाएगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा, प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक
अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:
9565333000

Email: akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

भारतीय कंपनियों की राह में अड़ंगा डालने लगा चीन

शंघाई

अरुणाचल प्रदेश की महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के विरोध में भारत की तीखी प्रतिक्रिया से चीन तिलमिला उठा है जिससे दोनों देशों के संबंधों में तनाव एक बार फिर उभर कर सामने आ गया है। हम आपको बता दें कि ताजा घटनाओं ने भारत-चीन संबंधों के दो सबसे संवेदनशील क्षेत्रों– आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय-संप्रभुता, को एक साथ सुर्खियों में दिया है। एक ओर भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग चीन की नीतिगत अस्पष्टताओं और तकनीकी सहयोग की बाधाओं से परेशान है; दूसरी ओर शंघाई एयरपोर्ट पर अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को ह्ढअवैध पासपोर्टह्ढ के नाम पर रोके जाने संबंधी घटनाक्रम ने कूटनीतिक तनाव को नई ऊंचाई दी है। भारत ने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अरुणाचल प्रदेश उसका अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और चीन की किसी भी अस्वीकृति से यह तथ्य बदलने वाला नहीं है। देखा जाये तो आर्थिक असहजता और कूटनीतिक टकराव की यह दोहरी परिस्थिति भारत-चीन संबंधों की वास्तविक जटिलताओं को सामने लाती है।

वैसे तो भारत-चीन संबंध पिछले एक दशक में लगातार तनाव और सहयोग के बीच झूलते रहे हैं, लेकिन बीते कुछ दिनों की घटनाओं ने एक बार फिर यह रेखांकित कर दिया है कि बीजिंग के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी केवल आर्थिक पैरामीटर पर नहीं चल सकती। इसमें राजनीति, सुरक्षा, भू-राजनीति, और सबसे बढ़कर, संप्रभुता की व्याख्या का मुद्दा निर्णायक रूप से शामिल है।

सबसे पहले इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की चिंताओं पर नजर डालें तो भारतीय कंपनियों को चीन से उन्नत तकनीक, कंपोनेंट्स और निवेश की आवश्यकता है, जिसे पूरा करने के लिए कई योजनाएं बनाई गईं। लेकिन इन साझेदारियों में अचानक लगा ब्रेक यह संकेत देता है कि चीन भारत के साथ तकनीकी और पूंजी साझेदारी में पहले से कहीं अधिक सतर्क हो गया है।

PG Electroplast की तकनीकी साझेदारी महीनों से अटकी पड़ी है; Hisense ने अपनी भारतीय मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में 26% हिस्सेदारी लेने की योजना रोक दी है और ह्ढ३ ऋ्रड्ढश्व द्वारा छ्वि क्ल्र्ल के 49% अधिग्रहण का मामला भी चीनी अनुमोदन के इंतजार में ठहरा हुआ है। ये घटनाएं आकस्मिक नहीं हैं। चीन स्पष्ट रूप से किसी भी ऐसी गतिविधि को अनुमति देने से पहले दो बातों पर गंभीरता से विचार कर रहा है– पहला, उसकी तकनीक और बौद्धिक संपदा की सुरक्षा; और दूसरा, भारत-चीन संबंधों की वर्तमान राजनीतिक संवेदनशीलता।

यहां यह याद रखना होगा कि भारत ने 2020 में सीमा तनाव के बाद ढ्ढ१२ ठ्ठड्डह्वश 3 लागू किया था, जिसके तहत पड़ोसी देशों के किसी भी निवेश पर सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई। चीन इसे एक राजनीतिक संदेश की तरह देखता है। अब वह भी वैसी ही कड़ी जांच-पड़ताल भारत से जुड़ी हर तकनीकी व पूंजीगत परियोजना के लिए लागू कर रहा है। परिणाम यह है कि भारतीय उद्योग दो तरफ से फंस गया है– भारत की सराहनीय ह्ढवैल्यू एडिशनह्ढ और ह्ढलोकलाइजेशनह्ढ की महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए चीन की तकनीक और मशीनरी जरूरी है,

लेकिन चीन की मंजूरी और व्यवहार अनिश्चित होता जा रहा है।

दूसरी ओर, आर्थिक मोर्चे की उलझनें कूटनीति में उभरते तनाव से गहराई से जुड़ी हैं। शंघाई एयरपोर्ट पर अरुणाचल प्रदेश की भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक को 18 घंटे तक रोके जाने की घटना सिर्फ एक यात्री के साथ हुआ अनुचित व्यवहार नहीं थी; यह चीन के उस राजनीतिक दावे का परिचायक है जिसमें वह अरुणाचल को ह्ढदक्षिण तिब्बतह्ढ कहकर भारत के हिस्से के रूप में मानने से इंकार करता है। यह दावा केवल मानचित्र पर नहीं, बल्कि अब यात्रियों के अधिकारों और अंतरराष्ट्रीय नियमों तक में दखल देने लगा है।